हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 22 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :186 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

सपा नेता शिवपाल का सरकारी धांधली के बाद भी 6 सीटें जीतने का दावा

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश के उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा शासन प्रशासन को लगाकर बेइमानी कराई गई है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा को सपोर्ट करने वाले अधिकारियों की सूची बनाएंगे, क्योंकि उपचुनाव में भाजपा ने गुंडई के बल पर डीएम और एसएसपी के माध्यम से वोट डलवाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रही हैं, जिस तरह से भाजपा परंपरा डाल रही है, ये लोकतंत्र के लिए खतरा है। शिवपाल ने आरोप लगाया कि सपा के वोटरों को पोलिंग बूथों पर जाने नहीं दिया गया। हमारे वोटरों के आधार कार्ड छीन लिए गए।इसके बावजूद समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से भाजपा को हराकर भेजेगी।एक सवाल के जबाव में सपा नेता ने करहल में हुई दलित युवती की हत्या के मामले में कहा कि यह प्रेम प्रसंग का मामला है।बात उप चुनाव की कि गई तो उन्होंने कहा कि तमाम धांधली और प्रशासन की गुंडागर्दी के बावजूद समाजवादी और आइएनडीआइए गठबंधन की पांच से छह सीटों पर जीत पक्की है,।

मुझे जमीन दो, मैं सड़क दूंगा; नितिन गडकरी बोले-

बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये के हाइवे बनेंगे

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को बोधगया में कहा कि वह बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये की लागत से हाइवे बनाएंगे।उन्होंने कहा कि मुझे जमीन दो, मैं सड़क बनाकर दूंगा।हमारे पास पैसों की कमी नहीं है।

एजेंसी

पटना: केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को बिहार के गया में 3700 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल हाइवे की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि मुझे अतिक्रमण मुक्त जमीन दो, मैं सड़क दूंगा।हमारे पास पैसों की कमी नहीं है। उन्हें बिहार को देश स्तर पर सुखी और संपन्न राज्य बनाने का मौका मिला है, जिसे वह पूरा करेंगे। गडकरी ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये के सड़क मार्गों का काम पूरा करेंगे।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार को बोधगया पहुंचे। यहां उन्होंने नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के कई प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान गया से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री

जीतनराम मांझी, बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा समेत कई नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि बौद्ध सर्किट से बिहार को देश से जोड़ने के लिए लाखों करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि पैसे की कमी नहीं है। मांगते-मांगते थक जाओगे, हम देने में पीछे नहीं रहेंगे।बिहार को इन सड़क योजनाओं की सौगात-

गडकरी ने गुरुवार को एनएच 83 पर गया और नवादा जिले में हुए 26 किलोमीटर के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने नवादा में एनएच 20 पर बख्तियारपुर-रजौली 51 किलोमीटर सड़क, वारसलीगंज में रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। बख्तियारपुर-रजौली के बीच 7 किलोमीटर सड़क मार्ग के कार्य का शिलान्यास भी किया गया।नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि आज शिलान्यास हुई परियोजना एनएच 20 के बख्तियारपुर-राजौली खंड और राजौली से हल्दिया के मार्ग चौड़ीकरण से झारखंड और बिहार के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और नवादा जिले को लाभ होगा।

गौतम अदाणी पर US में गंभीर आरोप लगते ही कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेर लिया

एजेंसी

नई दिल्ली: उद्योगपति गौतम अदाणी एक बार फिर विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी (62), उनके भतीजे सागर अदाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया। एक अनुमान के अनुसार इससे समूह को संभावित रूप से दो अरब डॉलर से अधिक का लाभ हो सकता है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि यह सब उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छुपाया गया, जिनसे अदाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या

अदाणी समूह पर लगे आरोपों के बाद भारत में राजनीति गर्मा गयी है।विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर नये सिरे से निशाना साधा है।

बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है।अदाणी समूह पर लगे आरोपों के बाद भारत में राजनीति गर्मा गयी है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर नये सिरे से निशाना साधा है।

अडानी पर अटैक कर रहे थे और अचानक चली गई लाइट, राहुल गांधी को आ गई हंसी

एजेंसी

नईदिल्ली: सीएम के बीच सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट रिश्वत मामले में गौतम अडानी और अन्य पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा आरोप लगाए जाने पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि अब यह अमेरिका में बिल्कुल स्पष्ट और स्थापित हो चुका है कि अडानी ने भारतीय कानून और अमेरिकी कानून दोनों को तोड़ा है। राहुल बोल ही रहे थे कि अचानक लाइट चली गई।लाइट के अचानक गोल होने पर राहुल गांधी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और जोर-जोर से हंसने लगे। हालांकि लाइट महज 4-5 सेकेंड के लिए ही गई और वापस आ गई। फिर राहुल ने वापस से अपना हमला जारी रखा। उन्होंने कहा कि अमेरिका में उन पर अभियोग लगाया गया है। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि अडानी इस देश में एक स्वतंत्र व्यक्ति की तरह क्यों घूम रहे हैं। मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया गया है...अडानी ने जाहिर तौर पर 2000 करोड़ रुपये का एक घोटाला किया है और संभवतः कई अन्य घोटाले किए हैं, लेकिन वह बेखौफ घूम रहे हैं...हम इसे बार-बार दोहरा रहे हैं।

सीबीएसई की दसवीं, बारहवीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने की बुधवार को घोषणा की।देर शाम जारी अधिसूचना में बोर्ड ने बताया कि 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त होंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाएं चार अप्रैल को संपन्न होंगी ऐसा पहली बार हुआ है, जब बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम कम से कम 86 दिन पहले जारी किया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि दो विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतराल रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसी छात्र

द्वारा चुने गए दो विषयों की परीक्षा एक ही तिथि पर न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा गया है ऐसा पहली बार हुआ है, जब बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम कम से कम 86 दिन पहले जारी किया है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि दो विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतराल रखा गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए 160 से 165 सीटें जीतेगी : संजय राउत

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन कुल 288 में से 160 से 165 सीटें जीतेगा और राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगा।राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी कहा कि एमवीए नेता शनिवार को होने वाली मतगणना से पहले बृहस्पतिवार को बैठक करेंगे। बुधवार को मतदान समाप्त होने के बाद ज्यादातर एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमाान जताया, जबकि कुछ ने पश्चिमी राज्य में एमवीए गठबंधन को

बढ़त दी।राउत ने संवाददाताओं से कहा, ह्यहमहम और हमारे सहयोगी, जिनमें पीडब्ल्यूपी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल जैसे छोटे दल शामिल हैं, बहुमत का आंकड़ा पार कर रहे हैं। हम 160-165 सीटें जीत रहे हैं। राज्य में एक स्थिर सरकार होगी। मैं यह बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं।एमवीए में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शप) शामिल हैं।

दिल्ली में फिर से गरमाया शीश महल विवाद, भाजपा का केजरीवाल पर हल्लाबोल, कैलाश गहलोत भी हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली इकाई प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा सहित नेताओं ने शीश महल विवाद को लेकर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया।दिल्ली भाजपा सांसद मनोज तिवारी और हाल ही में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व आप नेता कैलाश गहलोत भी विरोध प्रदर्शन में मौजूद थे। बीजेपी कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर पुलिस बैरिकेड पर चढ़ते दिखे. पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया सचदेवा ने एक्स पर लिखा कि अब

भाजपा कार्यकर्ताओं का संघर्ष रंग ला रहा है, कार्यकर्ताओं के संघर्ष ने केजरीवाल की नींद उड़ा दी है; राजतंत्र का अनुभव करके सत्ता का सुख भोगने वाले केजरीवाल को ज्ञात होना चाहिए कि भारत लोकतांत्रिक देश है यहाँ सत्ता परिवर्तन वोट की ताकत से होता है, दिल्ली की जनता यह सवाल पूछ रही है कि इस शीशमहल में इतना विलासितापूर्ण जीवन जीने का सामान कहां से आया? दिल्लीवासियों की गाढ़ी कमाई के दुरुपयोग से या शराब और दिल्ली में हुए विभिन्न घोटालों से या फिर अअढ की पंजाब सरकार से?वहीं, पूर्व आप और अब भाजपा नेता कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली सरकार के लंबित कार्यों के कारण दिल्ली के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और विश्वास जताया कि 2025 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सरकार बनाएगी।

दिल्ली चुनाव के लिए आदमी पार्टी ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, बीजेपी-कांग्रेस से आए 6 नेताओं को टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) ने 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने सूची में पूर्व भाजपा नेताओं ब्रह्म सिंह तंवर, अनिल झा और बीबी त्यागी के साथ-साथ पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी जुबैर अहमद, वीर धींगान और सुमेश शौकीन को भी टिकट दिया है, जो हाल ही में आप में शामिल हुए थे।सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 को या उससे पहले होने

वाले हैं।पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद, अअढ ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें अरविंद केजरीवाल तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने।सातवीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी, 2025 को समाप्त होने वाला है। ब्रह्म सिंह तंवर ने हाल ही में 31 अक्तूबर को आप में शामिल हुए थे। पार्टी ने इन्हें छतरपुर से टिकट दिया है। ये तीन बार के विधायक हैं। आप ने किराड़ी से अनिल झा पर भरोसा जताया है। दो बार के विधायक रहे अनिल झा 17 नवंबर को आप का दामन थामा था।लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी को आप उम्मीदवार बनाया गया है जो दो बार के पार्षद हैं। मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में ये भाजपा छोड़ आप में शामिल हुए थे। सीलमपुर से आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पांच बार के विधायक मतीन अहमद के बेटे चौधरी जुबेर अहमद को टिकट दिया है।

राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार, संबित पात्रा बोले- पीएम मोदी की विश्वसनीयता पर नहीं पड़ेगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता द्वारा गौतम अडानी और सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच के खिलाफ आरोपों की जांच की मांग करने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को राहुल गांधी पर पलटवार किया।पात्रा ने गांधी के बयानों को खारिज कर दिया और दावा किया कि वे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ निराधार आरोप लगाने की पिछली रणनीति की पुनरावृत्ति हैं। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि आज एक बार फिर राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एक बार फिर उन्होंने वही व्यवहार दिखाया और चीजों को उसी तरह रखा है जैसे वो करते आए हैं।पीसी पर कुछ भी नया नहीं था।पात्रा ने कहा कि आज सुबह से ही हम मीडिया में एक कंपनी से जुड़ा मामला देख रहे हैं।उस कंपनी के खिलाफ अमेरिका में केस चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। हमारा स्पष्ट मानना ??है कि जहां तक ??कंपनी और उसके खिलाफ मामले का सवाल है, कंपनी एक बयान जारी करेगी और अपना बचाव खुद करेगी। कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि पूरा मामला बिजली खरीद पर समझौते और राज्य वितरण कंपनियों (एसडीसी) पर समझौते का है। अमेरिका और भारत के बीच बिजली वितरण में दो कंपनियाँ हैं- एक भारतीय और एक अमेरिकी कंपनी। चार भारतीय राज्यों के नाम अमेरिकी कोर्ट के सामने पेश हुए।

महाराष्टः संजय राउत का दावा, 160 से 165 सीटें जीतेगी (यूबीटी), शाइना एनसी का पलटवार, आपकी नैया डूब चुकी है

एजेंसी

महाराष्ट्र: विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी कुल 288 में से 160 से 165 सीटें जीतेगी और राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस देश में एग्जिट पोल एक धोखा है। हमने लोकसभा चुनाव के दौरान एग्जिट पोल के '400 पार' आंकड़े देखे, हमने हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को 60 के पार देखा। अब वे महाराष्ट्र का डेटा दे रहे हैं।एग्जिट पोल पर भरोसा न करें। हम 160 सीटें जीत रहे हैं और महा विकास अघाड़ी सरकार बना रही है। शिव सेना नेता शाइना एनसी संजय राउत पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तो मैं उन्हें सलाह देना चाहूंगी

कि, आपकी नैया डूब चुकी है, महायुति सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि सौ फीसदी महायुति सरकार बनने जा रही है। देवेन्द्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार का ढाई-ढाई साल का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना ??है कि लोग प्रगति के लिए वोट करेंगे।यह प्रदर्शन की राजनीति है जो युवा पीढ़ी के साथ काम करती है, विनाश की राजनीति नहीं।एमवीए में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल हैं। सत्तारूढ़ महायुति में बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना और डिप्टी सीएम अजित पवार की एनसीपी शामिल है। जहां महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने के लिए दृढ़ प्रयास कर रहा है, वहीं विपक्षी एमवीए गठबंधन राज्य में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद कर रहा है। अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अनुमानित 65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि 2019 के राज्य चुनावों में यह 61.74 प्रतिशत था।शिव सेना नेता शाइना एनसी संजय राउत पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तो मैं उन्हें सलाह देना चाहूंगी कि, आपकी नैया डूब चुकी है, महायुति सरकार बनने जा रही है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने राम निरंजन जनता डिग्री महाविद्यालय रामपुर माधवपुर के खेल मैदान में आयोजित एमपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट T20 के 8 वे सीजन का किया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने राम निरंजन जनता डिग्री महाविद्यालय रामपुर माधवपुर के खेल मैदान में आयोजित एमपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट ळ20 के 8 वे सीजन का किया उद्घाटन।--- --------- ऐसे टूर्नामेंट न केवल युवाओं को अपने कौशल दिखाने का मंच प्रदान करते हैं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को भी बढ़ावा देते हैं।"- जिलाधिकारी।---------। *? जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने राम निरंजन जनता डिग्री महाविद्यालय रामपुर माधवपुर के खेल मैदान में आयोजित एमपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट ळ20 के 8 वे सीजन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों एवं आयोजको को शुभकामनाएं भी दी। प्रत्येक साल के भांति इस साल भी इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जो 8 दिसंबर 2024 तक चलेगा ।क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 21 नवंबर 2024 से 8 दिसंबर 2024 तक प्रतिदिन 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जिले में जहाँ खेलभावना प्रबल होगी, वही खिलाड़ियों को प्रोत्साहन भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट न केवल युवाओं को अपने कौशल दिखाने का मंच प्रदान करते हैं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को भी बढ़ावा देते हैं।" उन्होंने आयोजन समिति को जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बधाई भी दी।।

समस्तीपुर में 40 करोड़ की लागत से मॉडल अस्पताल का निर्माण.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। सदर अस्पताल परिसर में 33 करोड़ की लागत से बने 100 बेड वाले चाइल्ड एंड मैटरनिटी सेंटर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि, मॉडल अस्पताल के निर्माण में देरी से लोगों में सवाल उठ रहे हैं कि इन सुविधाओं का लाभ उन्हें कब तक मिलेगा।सदर अस्पताल परिसर में 100 बेड वाले चाइल्ड एंड मैटरनिटी सेंटर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस केंद्र के शुरू होने के बाद माताओं और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पटना या दरभंगा के बड़े अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। सिविल सर्जन डॉ. एसके चौधरी के अनुसार, भवन तैयार हो चुका है और उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं। निर्माण एजेंसी इसे जनवरी 2025 तक विभाग को सौंपने की तैयारी कर रही है।इस नए केंद्र में स्पेशल चाइल्ड केयर यूनिट, पिकू वार्ड और आईसीयू जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, पैथोलॉजी जांच और अन्य सेवाओं को भी इसी भवन में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे गंभीर रूप से बीमार माताओं और बच्चों को समय पर उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। दूसरी ओर, 40 करोड़ की लागत से प्रस्तावित मॉडल अस्पताल के निर्माण कार्य की गति धीमी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 2020 में इस परियोजना की आधारशिला रखी गई थी, और इसे एक साल में पूरा किया जाना था। लेकिन अब तक केवल बेसमेंट का निर्माण हो सका है। अधिकारियों का कहना है कि इसे पूरा होने में अभी दो से तीन साल और लग सकते हैंइस मॉडल अस्पताल में 500 बेड के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे लेबर रूम, ओटी, पेइंग वार्ड, लिफ्ट, रैंप और 20 बेड का आईसीयू उपलब्ध होगा। सिविल सर्जन ने कहा कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, और जल्द ही मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

समस्तीपुर.:डीएम के निरीक्षण में ड्यूटी से गैरहाजिर मिले कई कर्मियों से स्पष्टीकरण.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर : जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा ने प्रखंड के नरघोघी स्थित मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल का निरीक्षण किया. इस दौरान डीएम ने उपस्थिति पंजी की बारीकी से जांच की. वहीं, जांच केन्द्र, मरीजों के रजिस्ट्रेशन काउंटर आदि का गहन निरीक्षण किया.इस दौरान कई कर्मी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाये गये. डीएम ने अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है. वहीं, उपस्थित मरीजों एवं कर्मियों ने अस्पताल परिसर में पानी की भारी कमी होने की की शिकायत डीएम की. इस पर जिलाधिकारी ने इस समस्या को जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन दिया. मौके पर अस्पताल अधीक्षक डा जीसी कर्ण, गौरव कुमार आदि मौजूद थे.बताते चलें कि अचानक जिलाधिकारी का सरायरंजन पहुंच कर मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था का अवलोकन करने से अस्पताल प्रशासन के बीच हड़कंप मच गया था. जिलाधिकारी के निरीक्षण से वापस लौटने के बाद कर्मियों ने राहत की सांस ली।

मुरादपुर बंगरा से अध्यक्ष पद पर बलवंत सिंह ने किया नामांकन, लगी समर्थकों की भीड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के ताजपुर प्रखंड में हो रहे पांचवे चरण में पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन तीसरे और आखिरी दिन मुरादपुर बंगरा से अध्यक्ष पद के लिए बलवंत सिंह ने किया नामांकन। नाम जदगी का पर्चा दाखिल करने के बाद उम्मीदवार बलवंत सिंह ने बताया कि इस दफा यहां के जनता व किसानों का भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है। पूछे जाने पर बलवंत सिंह ने बताया कि मुरादपुर बंगरा से पैक्स अध्यक्ष बनने के बाद किसानों के हित के लिए काम करूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिन किसानों को समय पर खाद, यूरिया आदि नहीं मिल रहा था उसे ससमय खेती करने के लिए खाद उपलब्ध कराने का काम करूंगा। इधर समर्थकों ने निमांकन के पश्चात उम्मीदवार को उनके समर्थकों ने फूल मालाओं से लाद दिया और इंकलाब जिंदाबाद के नारे बुलंद करने लगे। बलवंत सिंह के समर्थकों में लल्लू बाबू, राजेश कुमार, मो आसिफ, संजय सिंह,मंजय सिंह, मो तस्लीम, ब्रह्मदेव सिंह, डीलर अरविंद सिंह, मास्टर मुतुर्जा अमितेश कुमार, अनिल सिंह, मास्टर रिजवान मनोज राम, विनय कुमार बब्लू, श्रवण कुमार, रंजित कुमार भोला जी, विकास कुमार आदि ने जिताने का संकल्प लिया।

एक दिसंबर से सभी स्तर के विद्यालय का समय 9 : 30 से 4 : 00 बजे तक संचालित करने का स्वागत शाह जफर इमाम ने किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार को गोल्फ फील्ड रेलवे कॉलोनी उच्च माध्यमिक विद्यालय समस्तीपुर के पूर्व प्राचार्य एवं बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्य मूल्यांकन परिषद के पूर्व अध्यक्ष शाह जफर इमाम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, बिहार द्वारा आज जारी उस आदेश का स्वागत किया जिसके तहत आगामी 1 दिसंबर 2024 से सभी स्तर के विद्यालयों की समय सारिणी में संशोधन करते हुए 9 : 30 बजे से 4 : 00 बजे तक किया गया है। विदित हो कि पिछले साल ही मुख्यमंत्री द्वारा यह घोषणा की गई थी मगर नौकरशाही के शिक्षक विरोध रूख के कारण इसे लागू करने में महीनों लग गये। इस समय सारिणी से बिहार के आम शिक्षकों और खासकर महिला शिक्षकों को जरूर ही कुछ शारीरिक और मानसिक राहत मिलेगी जिन्हें पठन - पाठन के अलावा कई तरह की जिम्मेदारियों का निर्वाह करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों - कर्मचारियों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को बेहतर सुविधाएं देकर ही उनसे बेहतर कार्य की उम्मीद की जा सकती है।

हसनपुर उपप्रमुख आशा देवी की गई कुर्सी, अविश्वास प्रस्ताव पारित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर प्रखंड उपप्रमुख के प्रति अविश्वास प्रस्ताव को लेकर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक को लेकर सुबह से ही प्रखंड कार्यालय में गहमागहमी का माहौल था। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अंजू देवी ने की। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी सह बीडीओ मनोज कुमार ने उपस्थित पंचायत समिति सदस्यों को एजेंडों पर चर्चा करने की बात कही। सदस्यों ने पंचायती राज अधिनियम के तहत उप प्रमुख पर अविश्वास जताते हुए कार्य में शिथिलता व लापरवाही का आरोप लगाते हुए विशेष बैठक बुलाकर प्रस्ताव पर चर्चा एवं मतदान कराने की मांग की थी। आवेदन को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा तिथि निर्धारित कर विशेष बैठक बुलाई गई थी। बैठक को लेकर 27 समिति सदस्य प्रखंड कार्यालय पहुंचे। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद कार्यपालक पदाधिकारी ने गुप्त मतदान कराने की बात कही। गुप्त मतदान के दौरान अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 19 सदस्य एवं विपक्ष में 8 सदस्यों ने मतदान किया। इस निर्धारित बहुमत नहीं आने के कारण उप प्रमुख को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि प्रखंड कार्यालय से इसकी सूचना जिलाधिकारी को भेज दी जाएगी। इसके बाद जिला कार्यालय से राज निर्वाचन आयोग को इसकी प्रति भेजी जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार निर्धारित तिथि को उप प्रमुख का चुनाव कराया जाएगा।

समस्तीपुर जंक्शन पर अब क्यूआर कोड से होगा पार्सल बुकिंग का भुगतान.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : समस्तीपुर स्टेशन पर पार्सल बुकिंग के लिए अगर जेब में राशि नहीं है, तो भी भुगतान हो पायेगा. पार्सल केंद्र की ओर से डिजिटल भुगतान प्रणाली की शुरूआत कर दी गई है. व्यापारी क्यूआर कोड के माध्यम से भी अपने पार्सल के बुकिंग की राशि का भुगतान कर पायेंगे. समस्तीपुर रेल मंडल में क्यूआर कोड से भुगतान प्रणाली सेवा उपलब्ध कराने वाला समस्तीपुर जंक्शन का पार्सल केंद्र पहले स्टेशन बन गया है.वाणिज्य विभाग की अधिकारियों की ओर से इस सेवा का ट्रायल के बाद इसकी शुरूआत कर दी गई है. पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़े होने के कारण पूरी भुगतान प्रणाली पारदर्शी हो गई. पार्सल में क्यूआर कोड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे की ओर से स्कैनर कोड मशीन लगाया गया है, जो बुकिंग काउंटर पर है.इस मशीन लग जाने के बाद यह फायदा हुआ कि अगर आपकी जेब में नकद धनराशि नहीं है, तो भी आप बुकिंग काउंटर से सामान बुक कर पायेंगे. आम दुकान के जैसे ही बुकिंग काउंटर पर भी भुगतान सेवाओं का उपयोग कर पार्सल बुक किया जा सकेगा

जमीयत उलेमा हिंद का गौरवशाली अतीत और वर्तमान

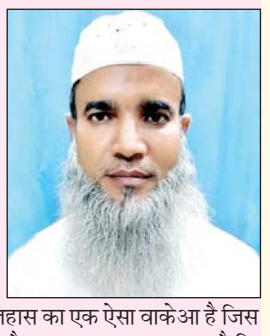

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. सदरे आलम नौमानी
मोहतमिम
जामिया नोमानी मिसबाहुल उलूम हरपुरवा आलम नगर बाजपट्टी जिला सीतामढी बिहार
09006782686

जमीयत उलेमा हिंद 23 नवंबर, 2024 को अपने जीवन के 105 वर्ष पूरे करने जा रही है। यह भारत के इतिहास का एक ऐसा वाकेआ है जिस पर जितना गर्व किया जाए उतना कम है। यह अल्लाह का फजल है कि जमीयत उलेमा-ए- हिंद अपनी लंबी उम्र के बावजूद पहले दिन की तरह उत्साह और गतिविधि के साथ जीवित है, एक सौ पांच साल की उम्र संगठनों के लिए कम नहीं है। और अगर कोई संस्था अपनी उम्र के एक सौ पांच साल पूरे कर ले तो इसे अल्लाह की मेहरबानी और उनके बुजुर्गों की दुआ के अलावा और क्या कहा जा सकता है. जमीयत उलेमा हिंद की स्थापना उस समय हुई थी जब ब्रिटिश सरकार का जुल्म अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुका था। और किसी में भी उस तन के गोरे और मन के काले अंग्रेज के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं थी, जमीयत उलेमा हिंद ने आजादी से पहले ब्रिटिश साम्राज्य के जुल्म के खिलाफ बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी थी। वह जमीयत उलेमा हिंद ही थी जिसने सबसे पहले देश की आजादी की मांग करके इन सभी नेताओं और जमात को चौंका दिया था। जो अंग्रेजों से थोड़ी-सी रियायतें प्राप्त करने में अपनी बड़ी सफलता समझते थे। फिर राजनीतिक क्षेत्र में जमीयत उलेमा हिंद ने देश की आजादी के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। यह भारत की आजादी के इतिहास का एक उज्ज्वल अध्याय है। आजादी से पहले जमीयत उलेमा हिंद ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था. बल्कि जमीयत ने मुसलमानों के धर्म और आस्था की रक्षा का कर्तव्य भी पूरी तरह निभाया था। जब ब्रिटिश सरकार ने मुसलमानों की पहचान मिटाने के लिए विभिन्न धर्मों के अंतजार्तीय विवाह के लिए कानून बनाने की कोशिश की, तो यह जमीयत उलेमा हिंद ही थे जिन्होंने पूरी हिम्मत और बहादुरी के साथ मुकाबला किया था। और इस समस्या को इंग्लैंड में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में लेकर गए थे। और इस कानून को रद्द कराने में सफल रहे थे. शारदा एक्ट इस्लामिक शरीयत के खिलाफ लाया गया था. जिसमें मुसलमानों को हज पर जाने के रास्ते में कठिनाइयाँ पैदा की गईं थी। इस को भी हल जमीयत उलमा हिंद ने कराया था, जमीयत उलेमा हिंद ने एक भी मौके पर मुसलमानों को बेसहारा नहीं छोड़ा, इस तरह जमीयत ने जालिम की परवाह किए बगैर मुसलमानों के धार्मिक , और राजनीतिक नेतृत्व का अद्भुत कर्तव्य निभाया। ब्रिटिश साम्राज्य का अत्याचार जिसे आने वाला इतिहासकार कभी नहीं भूल सकता। उसका डट कर मुकाबला किया,

15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ। यह आजादी हमें सौ साल के लंबे संघर्ष और लाखों लोगों की कुर्बानियों के बाद मिली। सच तो यह था कि हर कोई उसकी खुशी में शरीक होता । लेकिन दुर्भाग्य से 15 अगस्त 1947 को संध्या बारह बजे जब पंडित जवाहरलाल नेहरू लाल किले की प्राचीन पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे थे। ठीक उसी समय दिल्ली की सड़कें मुसलमानों के खून से लाल हो गयी थीं। उस समय जमीयत उलेमा हिन्द ने टखने टखने तक खून की बाढ़ में घुसकर मुसलमानों की हिम्मत बढ़ाई। और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था की. दिल्ली के मुस्लिम इलाकों को मुस्लिम जोन घोषित कराया गया. नहीं तो कौन कह सकता था कि दिल्ली की आबादी में फैली हजारों मस्जिदों की मीनारों से उठने वाले अल्लाह की सदाओं को कोई सुन सकेगा।

15 अगस्त, 1947 को आजादी तो मिल गई, लेकिन यह अपने साथ मातृभूमि के विभाजन की अविस्मरणीय त्रासदी भी साथ लेकर आई, जिसके परिणाम स्वरूप लाखों लोग अपनी मातृभूमि छोड़कर पाकिस्तान चले गए। वही संपत्ति का आदान-प्रदान भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने कस्टोडियन विभाग की स्थापना की। जिन्होंने घोर पक्षपात दिखाते हुए मुसलमानों और मुसलमानों की संपत्तियों को बुरी तरह निशाना बनाना शुरू कर दिया था। उनकी आंखों के सामने दुकानों मकानों को नीलाम नीलम किया जाने लगा. उस वक्त जमीयत उलेमा हिंद ने मुसलमानों के लिए लड़ाई लड़ी. यह जमीयत उलेमा-ए-हिंद ही थी जिसने अधिकारियों की क्रूर कलम को पकड़ रखी थी। और उन्हें मुसलमानों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने के लिए बाध्य किया था। वहीं सरकार ने औकाफ की संपतियों को हड़पना शुरू कर दिया था. जमीयत उलेमा हिंद अवकाफ संपत्तियों की सुरक्षा के समर्थन में खड़ी हो गई। अंततः सरकार को वक्फ कानून बनाने पर मजबूर होना पड़ा। हालाँकि यह वक्फ कानून जमीयत उलेमा हिंद के सपनों का कानून नहीं था। हालाँकि कुछ हद तक यह वक्फ की सुरक्षा में सहायक साबित हुआ।

अलगराज मुस्लिम पर्सनल लॉ में दखल देने का मामला हो. या शरीयत की सुरक्षा पर हमला. तीन तलाक का मामला हो. या सांप्रदायिक दंगे. या बाबरी मस्जिद के लिए संघर्ष का मामला हो. या फिर असम के मुसलमानों की नागरिकता का सवाल. गाय के नाम पर मुसलमानों को मार देने का मामला हो. या फिर घर वापसी के नाम पर क्रूरता और दरिंदगी. की हद पार करने का मामला हो या जील में मुस्लिम कैदियों को एनकाउंटर के नाम पर मारने का मामला . या आतंकवाद के नाम पर बेगुनाह मुसलमानों को सलाखों के अंदर से बाहर निकालने का मामला हो. या दंगों में मुसलमानों की लौटी पीटी संपतियों का मामला हो। या फिर उनका पुनर्वास और राहत. या उत्पीड़ित मुसलमानों की अदालतों और आयोगों के समक्ष कानूनी लड़ाई लड़ने का मामला है। या फिर बुलडोजर से मुसलमानों के घर गिराने का मामला हो, जमीयत उलेमा हिंद हर मामले में आगे बढ़कर मुसलमानों की रहनुमाई का फर्ज निभा रही है.

जमीयत उलेमा-ए-हिंद का हमेशा यह प्रयास रहा है कि देश के सभी संप्रदाय एकजुट होकर देश के निर्माण और विकास में भाग लें। जमीयत उलेमा हिंद का यह प्रयास इसलिए नहीं है कि जमीयत के अकाबीर व असलाफ ने देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद से आजाद कराने में जान और माल की बड़ी कुर्बानियां पेश की थी

ऐसा इसलिए भी है की जीवन के हर पहलू में जमीयत उलमा हिन्द ने इस देश को बनाने और संवारने में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन दुख की बात यह है कि देश का एक वर्ग, जिसे सरकार का संरक्षण प्राप्त है, कभी उनके द्वारा शिक्षा और इबादत स्थलों को निशाना बनाया जाता है, तो कभी पढ़े-लिखे मुस्लिम युवाओं को आतंकवाद के नाम पर झूठे आरोपों में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जाता है।

आज मुसलमान अपने आप को असुरक्षित मानते हैं.बल्कि सांप्रदायिक तत्वों द्वारा ऐसी घटनाओं को प्रतिदिन दोहराया जा रहा है। जिसने मुसलमानों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. की आखिर भारत में ये सब क्यू हो रहा है

आजादी से पहले सिर्फ गुलामी का घाव था, आजादी के बाद लोकतंत्र के इस दौर में मुसलमानों को हर दिन एक नया घाव सहना पड़ता है। आज मुसलमानों का न मुस्लिम पर्सनल लॉ सुरक्षित है. और नहीं मदरसे . मस्जिदें. खानकाहों और न औकाफ सुरक्षित हैं। जमीयत उलेमा हिंद की स्थापना के समय से ही मुसलमानों की धार्मिक और राष्ट्रीय समस्याओं पर सदैव पैनी नजर रही है। और जमीयत उलेमा हिंद लगातार इन समस्याओं को सुलझाने की कोशिश कर रही है. जमीयत उलेमा हिंद को यह सम्मान हासिल है कि उसने अपने एक सौ पांच साल के जीवन में कभी किसी सरकार की चापलूसी नहीं की। और न डरी न खौफ खाई . न झुकी, और न कभी उन्होंने हुकूमतों की आंखों का रंग देखकर अपने फैसले बदले. उन्हें जो सही और मुसलमानों के पक्ष में लगता था उसकी हिमायत करते और जो मुसलमानों के पक्ष में गलत लगता था,उसका उन्होंने समय रहते और खुलकर विरोध किया। अपनी स्पष्टवादिता के परिणाम स्वरूप उन्हें न केवल बाहरी लोगों बल्कि अपने ही लोगों का भी कोप भाजन बनना पड़ा। लेकिन हर आने वाले वक्त ने ये साबित कर दिया कि जमीयत उलेमा हिंद के अकाबीर ने जो कहा था वो सही था.

आजादी से पहले जमीयत उलेमा हिंद ने इस ब्रिटिश साम्राज्यवाद का विरोध किया था। जिसके शासन में सूर्य कभी अस्त नहीं होता था। ऐसी कौन सी परीक्षा थी जो जमीयत उलेमा हिंद अंग्रेजी शासकों के हाथों पास नहीं की , वह चाहते तो सबसे बड़ा अंग्रेजी सम्मान जीत सकते थे। बड़ी-बड़ी जागीरें उस का इंतजार कर रही थीं।

विद्यापतिनगर के 9 पंचायतों में अध्यक्ष पद के 25 उम्मीदवार चुनावी मैदान में, 5 प्रत्याशियों ने लिया नाम वापस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड क्षेत्र में दूसरे चरण में आगामी 27 नवंबर को होने वाले पैक्स चुनाव हेतु विभिन्न पदों के प्रत्याशियों द्वारा दाखिल नाम निर्देशन पत्रों की संविक्षा के बाद अब कुल 25 उम्मीदवार चुनावी मैदान में जोर आजमाइश में जुटे हैं। बताते हैं कि तीन दिनों तक चले नामांकन की तिथि तक प्रखंडधीन 14 पंचायतों में से 12 पंचायतों में चुनाव की प्रक्रिया संपन्न होनी है। अध्यक्ष पद के कुल 5 प्रत्याशियों ने नाम निर्देशन पत्र वापस लिया। इसमें मऊ धनेशपुर दक्षिण पंचायत के राजीव प्रकाश उर्फ झप्पू सिंह, सिमरी पंचायत से राम प्रकाश महतो आदि का नाम शामिल हैं। वहीं एक मात्र नामांकन के बाद प्रखंड के 12 पंचायत में से तीन पंचायतों में पैक्स अध्यक्ष पद के लिए मऊ धनेशपुर उत्तर से वर्तमान पैक्स अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, गढ़सिसई से गीता देवी व बालकृष्णपुर मड़वा से प्रेमशीला देवी निर्विरोध चुने गये। शेष 9 पंचायत में नाम वापसी के बाद वाजिदपुर पंचायत में गणेश भट्ट, धर्मशिला देवी, श्याम सुंदर साह आदि 5 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। वहीं सिमरी मनोज कुमार, हरपुर बोचहा पंकज कुमार सिंह, सुबोध सिंह व सुरेश सिंह तथा साहिट पंचायत में मनीष कुमार, प्रकाश कुमार व सुनील कुमार सिंह तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में बच गये है, जबकि मऊ धनेशपुर दक्षिण रजनीश प्रकाश उर्फ पतलुक, रामबिहारी सिंह पप्पू,शेरपुर में लालबाबू चौधरी व रामसिकल कुमार, बढ़ौना कुणाल कुमार व राम नरेश कुंवर, बंगराहा राजेश्वर राय व सोठगामा मुन्ना कुमार आदि दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में मौजूद हैं। प्रखंड अंतर्गत 9 पंचायत में 25 उम्मीदवारों के बीच चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद के मत पत्र पर प्रथम स्थान पर रहने वाले प्रत्याशी को मोती का माला, द्वितीय स्थान पर रहने वाले प्रत्याशी को ब्लैक बोर्ड व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रत्याशी को चुनाव चिन्ह किताब आवंटित किया गया। प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ महताब अंसारी ने बताया कि पैक्स चुनाव को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारी अंतिम चरण पर है। प्रशासन निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी में जुट गया है। उधर नामांकन के बाद प्रत्याशी क्षेत्र में प्रचार - प्रसार करने में जुट गये है। संविक्षा के बाद प्रचार में और भी तेजी आ गई है। चुनाव में मात्र एक सप्ताह से भी कम समय शेष बचा हुआ है। ऐसे में कोई भी प्रत्याशी कोई-कसर नहीं छोड़ना चाह रहे है। मतदाताओं को रिझाने के लिए तरह - तरह के प्रयास व दलील जारी है। प्रत्याशी अपनी - अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रत्याशी एवं उनके समर्थक नये नये वादों एवं तरीकों से जनता को लुभाने में जुटे हुए है। जहां वर्तमान पैक्स अध्यक्ष चुनाव मैदान में है, अपनी कुर्सी को बचाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। वहीं नये उम्मीदवार पुराने की नाकामयाबी का हवाला देकर मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने को आतुर दिख रहे हैं।

कन्टेनर और टेलर ट्रक की टक्कर में चालक के प्राण की रक्षक बनी पुलिस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के महाराणा प्रताप चौंक पर टेलर ट्रक और कन्टेनर की आमने-सामने टक्कर में चालक के प्राण की रक्षक बनी मशरक थाना पुलिस। जी हां टक्कर इतनी जोरदार हुई की टेलर ट्रक का चालक स्टेयरिंग में दब गया और चिल्ला कर जान बचाने की मांग करने लगा,पर ठंड में मध्य रात्रि होने की वजह से कोई भी मददगार साबित नहीं हो रहा था। वहीं गश्ती पर निकले थानाध्यक्ष अजय कुमार ने दब बल के साथ पहुंच स्टेयरिंग में दबे चालक को निकालने की कोशिश की पर लोहे की प्लेट से दबने की वजह से उसे निकालने में सफल नहीं हो पा रहें थे। उन्होंने मौके पर गश्ती दल के जवानों, महाराणा प्रताप चौंक पर तैनात पुलिस जवान और पुलिस 112 की टीम की मदद से कड़ी मशक्कत से चालक को स्टेयरिंग से निकाल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में भर्ती कराया गया। घायल चालक पश्चिम चम्पारण के विसुनपुरवा पीपराही गांव निवासी भीम यादव का 18 वर्षीय पुत्र शैलेश यादव हैं।
वहीं बताया गया कि टेलर ट्रक महमम्दपुर की तरफ से छपरा की तरफ जा रहा था वहीं कन्टेनर छपरा की तरफ से मशरक आ रहा था कि महाराणा प्रताप चौंक पर दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कन्टेनर का चालक फरार हो गया और टेलर ट्रक का चालक स्टेयरिंग में फस गया। घायल चालक ने इलाज के दौरान बताया कि यदा समय पर पुलिस नहीं पहुंचती तों उस जान जा सकती थी।

मशरक में अनियंत्रित ऑटो की टक्कर से 2 बाइक सवार घायल

मशरक में अनियंत्रित ऑटो की टक्कर से 2 बाइक सवार घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के राम जानकी शिव मंदिर परिसर के सामने ऑटो की टक्कर से बाइक सवार दो घायल हो गए। घायल मांझी के चेफुल निवासी दलन महंतों का 26 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार चौहान और रिविलगंज के पंचपतरा गांव निवासी संदीप कुमार का 22 वर्षीय पत्नी रानी देवी हैं। बाइक सवार रसौली गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार किया। घायल ने कहा कि वह पूजा-अर्चना करने रसौली जा रहा था कि ऑटो ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। वहीं लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि एक ही बाइक पर तीनों सवार होकर जा रहें थे कि ऑटो से टक्कर हो गई।

मशरक के राम जानकी शिव मंदिर परिसर के सामने ऑटो की टक्कर से बाइक सवार दो घायल हो गए। घायल मांझी के चेफुल निवासी दलन महंतों का 26 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार चौहान और रिविलगंज के पंचपतरा गांव निवासी संदीप कुमार का 22 वर्षीय पत्नी रानी देवी हैं। बाइक सवार रसौली गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार किया। घायल ने कहा कि वह पूजा-अर्चना करने रसौली जा रहा था कि ऑटो ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। वहीं लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि एक ही बाइक पर तीनों सवार होकर जा रहें थे कि ऑटो से टक्कर हो गई।

ट्रेक्टर के चपेट में आने से साईकिल सवार की मौत, तीन अन्य घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र के रतिया टोला के निकट बुधवार की रात एक अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने साइकिल सवार को जबरदस्त ठोकर मार दी। इस हादसे में एक की मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के बहत्तर निवासी मौहम्मद इमरान के रूप में हुई है, जबकि 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये है, जिसे बेहतर उपचार के लिए समस्तीपुर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतक इमरान दुकान बंद कर अपने घर जा रहा था तभी ट्रेक्टर के चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

एसडीओ ने महादलित टोला में गरीबों के बीच कंबल का वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक नगर पंचायत के बड़ी मुसहर टोली गांव में ठंड को देखते हुए गरीबों, बुजुर्गों और असहाय लोगों के बीच मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने सामाजिक सुरक्षा के तहत कंबल का वितरण किया। मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह के साथ मशरक बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार, कल्याण पदाधिकारी रेशमी प्रकाश मौजूद रहीं। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि सर्दी का प्रकोप इन दिनों लोगों को झेलना पड़ रहा है। आने वाले समय में ठंड और बढ़ेगी। ऐसे में लोगों को सर्दी से बचाव को कंबल का वितरण किया गया। वहीं एसडीओ ने लोगों को कंबल ओढ़ाकर राहत प्रदान किया। कंबल पाने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी थी। एसडीओ द्वारा दिये गये कंबल पाकर गरीबों के चेहरे पर खुशी के भाव स्पष्ट देखे जा सकते थे। एसडीओ ने बताया कि गरीब के चेहरे में खुशी देख कर आत्म संतुष्टि होती है।

अपराधियों ने गैस गुदाम के इंचार्ज को मारी गोली, उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के बिथान थाना क्षेत्र के बरदौनी मदरसा के सरमीप बाईक सवार अपराधियों ने गैस गोदाम के इंचार्ज को गोलीमार दी। जख्मी हालत में उसे इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद ले जाया गया। जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए बेगूसराय रेफर कर दिया गया। जख्मी की पहचान मनोरवा गांव निवाशी कारी मो सफीक के पुत्र मो दानिश उर्फ गोलू के रूप में की गई है। जख्मी युवक सपना भारत गैस एजेंसी बिथान में गैस गोदाम इंचार्ज के रूप में काम करता है। घटना के सम्बंध में बताया गया कि मो दानिश एवं रितेश कुमार प्रत्येक दिन के तरह देर संध्या गैस गुदाम का कार्य सम्पन्न कर घर जा रहा था। रास्ते में पुसहो चौक से एक मोटरसाइकिल पर दो की संख्या में अज्ञात अपराधियों ने पीछा करना शुरू किया। जैसे ही बरदौनी मदरसा के पास दोनो पहुंचे की आपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक गोली मोटरसाइकिल में लगा, दूसरी गोली गोलू के बाह में लगा है। रोसड़ा डीएसपी सोनल कुमारी ने बताया कि घटना की सूचना मिली है सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की छानबीन में जुट गई है घटना का कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर एक बिंदुओं पर बारीकी से जाँच पड़ताल में जुटी हुई है।

यातायात को सुचारू रखनें को लगाया गया नो पार्किंग बोर्ड, लगेगा जुमार्ना

जसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र से गुजर रही एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर महाराणा प्रताप चौंक, महावीर चौक पर यातायात के नियमों को प्रभावी बनाए जाने को लेकर नगर पंचायत प्रशासन और थाना पुलिस ने कार्य शुरू कर दिया है। सीओ सुमंत कुमार के निर्देश पर कार्यपालक पदाधिकारी मो शाहनवाज रजा और थानाध्यक्ष अजय कुमार की मौजूदगी में नो-पार्किंग का बोर्ड लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया। इसकी शुरूआत नगर पंचायत के महावीर चौक, महाराणा प्रताप चौंक से की गई है। साथ ही मुख्य मार्गों और चौराहों के अलावा दुकान-बाजार में बोर्ड लगाए जाएंगे। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि नगर पंचायत के विभिन्न चौंक चौराहे पर नो पार्किंग बोर्ड लगाया गया है यदि नो पार्किंग के नियमों की अनदेखी की जाएंगी तो जुमार्ना लगाया जाएगा। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि नो पार्किंग के इलाके में बाइक या चार चक्का लगाएं पाए जातें हैं तो ऑनलाइन जुमार्ना लगाया जाएगा। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि जल्द ही अंचल क्षेत्र में गुजर रही हाइवे समेत स्टेशन रोड की जमीन की मापी करा कर अतिक्रमण हटाया जाएगा और अतिक्रमण हटाया जाएगा।

विशेष जांच में गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

सीएचसी मशरक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गुरुवार को विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैम्प में गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच सेवा व उचित परामर्श प्रदान किया गया। जिसमे जच्चा-बच्चा के सुरक्षा के लिए गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व जांच पड़ताल की गई। मौके पर डॉ अनंतनारायण कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सीएचसी मशरक में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गयी। साथ ही उच्च जोखिम गर्भधारण महिलाओं की पहचान कर उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है

विद्युत स्पशार्घात से एक 13 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत भूसवर पंचायत वार्ड नङ्ग 9 का मामला है जहां दादा पोता मिलकर मवेशी के चारा के लिए रखे गए बक्कू से चारा निकल ही रहा था कि दरवाजे से सटे सड़क किनारे विद्युत पोल के संपर्क में आने के कारण स्पशार्घात्त के कारण सौरभ की दर्दनाक मौत हो गई।दादा की जान तो बच गई। हल्ला होने पर परिजन और पड़ोसी जब तक आए और बांस बल्ले से सौरभ को अलग करने की कोशिश की गई तब तक इस नाबालिग बच्चे का प्राण पखेरू उड़ चुका था। स्थानीय लोगो ने बताया कि विद्युत पोल में अर्थिंग का ताड़ का संपर्क होने से पोल में करेंट आ गया था जो विद्युत कर्मी और विभागीय लापरवाही का द्योतक है। समय समय से यदि मेंटिनेंस और देखभाल होती रहती तो शायद इस बड़ी घटना से बचाया जा सकता था। फौरन विद्युत विभाग को फोन कर विद्युत आपूर्ति बंद करा दी गई और थाना को सूचित कर दिया गया और पोस्टमार्टम के लिए पुलिस अधिकारी ने सदर अस्पताल भेज गया।

मृतक सौरव पिता पंकज महतो,दादा सत्य नारायण महतो जो 2 भाई और 1 बहन में बड़ा था और अपने घर का होशियार और समझदार, हाथ बटाने वाला बेटा था।

मुखिया रंजीत कुमार महतो ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर ढाढस दिया और अपने स्तर से और सरकारी स्तर पर भी मुवावजा हेतु सहयोग के लिए सांत्वना दिया।

असामाजिक तत्वों ने धान के बोझे में लगाया आग,पुआल सहित अन्न जलकर हुआ खाक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक (सारण) मशरक थाना क्षेत्र अंतर्गत खजूरी पंचायत के सेरुकहॉ गांव राधे कृष्णा मंदिर के समीप धान के खेत में धान कंपनी कर रखे गए धान के बोझे में असामाजिक तत्वों के द्वारा आग लगा देने से पुआल सहित अन्न जलकर राख हो गया है। इस पीड़ित भाजपा जिला सारण किसान मोर्चा महामंत्री रवीन्द्र पांडेय पिता स्व कन्हैया पाण्डेय ने इस संदर्भ में मशरक थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में दो बिघा खेत की धान का फसल जलाकर नष्ट करने की बात कही गई है इस मामले में पीड़ित रवीन्द्र पांडेय ने छः लोगों पर लिखित आवेदन पत्र में नाम देकर मशरक थाना में शिकायत किया है। आवेदन के आलोक में मशरक थाना पुलिस के द्वारा उक्त स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया गया है, एवं दोषियों के सन्दर्भ में जांच पड़ताल किया जा रहा है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को ताजपुर मुशायरा सह कवि सम्मलेन में आगमन का हवा गलत फैलाया जा रहा है : फैयाज अहमद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार को जिला राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ समस्तीपुर के द्वारा राजद कार्यकताओं की बैठक जिला राजद अध्यक्ष फैयाज अहमद के अध्यक्षता में किया गया, जिसमें सभी लोगों के सर्व सहमति से विचार विमर्श किया गया कि तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष के आगमन का फोटो इत्यादि सोशल मीडिया एवं फेसबुक पर वायरल किया जा रहा है। समस्तीपुर जिला के ताजपुर प्रखंड में किसी कार्यक्रम में आगमन का प्रचार प्रसार किया जा रहा है, जबकि तेजस्वी यादव किसी दूसरे कार्यक्रम में पहले से ही आमंत्रित हैं। इसी कारण वस ताजपुर में आने का समय दिए ही नहीं है। तेजस्वी यादव का फोटो लगाकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है, जो उचित नहीं है इस आशय की जानकारी जिला राजद के किसी पदाधिकारी एवं संगठन को नहीं है। इसलिए इस बात को आम आवाम को बता देना उचित है। इस बैठक में विशेष रूप से राजद जिला उपाध्यक्ष अरमान सदरी, राजद के वरिष्ठ नेता मोहम्मद मुराद, राजद जिला महासचिव तबरेज आलम, कांग्रेस नेता नजमुल होदा नजम, कांग्रेस नेता

ट्रेन संख्या 04068 की चार पहिए पटरी पर उतर गई कोई हताहत नहीं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। ट्रेन नम्बर 04068 के दुर्घटना के संबंध में समस्तीपुर मंडल - सेक्शन (पनिहावा-नरकटियागंज)-दिनांक 21 नवंबर 2024 को 04 :00 बजे, ट्रेन तम्बर 04068 (दिल्ली - दरभंगा स्पेशल) ट्रेन का हरिनगर स्टेशन पर लाइन नंबर 4 में प्रवेश करते समय, एक कोच नंबर 153735 / जीएसएलआरडी के चार पहिये पटरी से उतर गये। इस दुर्घटना में कोई भी यात्री हताहत नहीं हुआ है। दुर्घटना सहायता ट्रेन / रक्सौल को 06 : 00 बजे बुलाया गया और अफ्दश/नरकटियागंज को 06 : बजे बुलाया गया। भैरोगंज - हरिनगर के बीच डाउन लाइन अवरुद्ध हुआ है। अप लाइन ट्रेन की आवाजाही के लिए चालू है।

जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक की गई। ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा क्रम में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की गई ।समीक्षा क्रम में जिलाधिकारी द्वारा कुल लक्षित 13559 आवास के विरुद्ध 11919 स्वीकृत है , के संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी से पृच्छा की गई तथा निर्देश दिया गया की 30 नवंबर तक सभी लंबित आवास को स्वीकृत कर अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा कितने लाभूकों को द्वितीय किस्त की राशि दी गई तथा कितने का प्रथम इंस्टॉलमेंट भी नहीं दिया गया है, इसको लेकर पृच्छा के क्रम में यह पाया गया की 1000 लोगों को प्रथम इंस्टॉलमेंट भी नहीं मिला है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा कड़ी नाराजगी जाहिर की गई। इस संदर्भ में उजियारपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी से पूछने पर उनके द्वारा बताया गया की 164 लाभुकों को प्रथम इंस्टॉलमेंट नहीं दिया गया है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए उनसे स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया और प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित आवास पर्यवेक्षक ,अकाउंटेंट एवं आवास पर्यवेक्षक सबका वेतन बंद करने का निर्देश दिया गया। निदेशक डीआरडीए द्वारा बताया गया की 2719 लोगों को द्वितीय किस्त दिया गया है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए यथाशीघ्र सभी द्वितीय किस्त के पात्र लाभूको को द्वितीय किस्त की राशि उपलब्ध कराते हुए प्रतिवेदन 5 दिसंबर तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। खानपुर प्रखंड विकास प्राधिकारी द्वारा 728 लाभूकों में 140 लोगों को द्वितीय इंस्टॉलमेंट दिया गया है के विषय में जिलाधिकारी द्वारा शेष लाभूको को यथाशीघ्र द्वितीय किस्त देने का निर्देश

दिया गया अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई करने हेतु चेतावनी दी गई। ई केवाईसी की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को अनिवार्य रूप से कल दिनांक 22 नवंबर 2024 तक सभी पेंडिंग की केवाईसी को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रखंडों में प्रखंड भवन निर्माण के लिए विभिन्न प्रखंड विकास पदाधिकारी ने त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट भेजा था जिलाधिकारी द्वारा निदेश दिए गया की स्पष्ट प्रतिवेदन कितना भवन बन चुका है/ कितना नया भवन बनाना है कितने भवन में मरम्मती की जानी है से संबंधित स्पष्ट प्रतिवेदन सोमवार तक अनिवार्य रूप से उप विकास आयुक्त के माध्यम से भेजना करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा निदेशक डीआरडीए को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक प्रखंड का प्रखंड वार समीक्षा करेंगे कि कितने लाभूक को कितना किस्त मिल कितने पात्र लाभूक को द्वितीय की एवं प्रथम किस्त की राशि नहीं मिली इसकी समीक्षा का अनिवार्य रूप से उन्हें अवगत कराएंगे। इसके अलावा जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रत्येक आवास सहायक प्रतिदिन 25 आवास का भ्रमण करेगा और आवास पर्यवेक्षक प्रतिदिन तीन पंचायत का भ्रमण करेगा तथा प्रतिदिन रिपोर्टिंग करेगा साथ ही सभी आवास सहायक एवं आवास पर्यवेक्षक अपने साथ पंजी रखेंगे और पंजी पर लाभूक का हस्ताक्षर करवायेंगे तथा लाभुक की समस्याओ को भी इंगित करेंगे ।इसके अलावा जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा निर्देश दिया गया की 2 सप्ताह के बाद सभी वरीय पदाधिकारी द्वारा सभी आवास की जांच कराई जाएगी इसके पूर्व निदेशक डीआरडीए सभी तीन चार चार की संख्या में आवास पर्यवेक्षक को बुलाकर समीक्षा कर लेंगे ।दो सप्ताह बाद जांच के क्रम मे यदि योग्य लाभुकों की प्रथम एवं द्वितीय किस्त पेंडिंग पाई जाएगी अथवा आवास अपूर्ण पाए जाएंगे तो अनिवार्य रूप से कार्रवाई की जाएगी। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा छठे फाइनेंस कमिशन द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि को व्यय की समीक्षा की गई। जिसमें विद्यापति नगर का व्यय शून्य पाये जाने पर काफी नाराजगी जाहिर की गई। इसके अलावा जिला पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी भी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के माध्यम से द्वारा क्या-क्या योजना ली गई है कितने योजना में काम शुरू है कितने योजना नहीं ली गई है से संबंधित प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर तैयार करके उपस्थित करने का निर्देश दिया गया ।साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जिन बीपीआरओ के द्वारा कोई योजना नहीं ली गई है उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाएगी। इसकी अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी की गाड़ी के भुगतान के संबंध में समीक्षा की गई एवं पाया गया कि कुछ प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा प्रखंड पंचायती राज अधिकारी की गाड़ी का भुगतान नहीं किया गया है ।

पहल: मढ़ौरा एसडीओ ने नये धारकों को दिया राशनकार्ड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के राशन कार्ड से वंचितों के लिए अच्छी खबर है। मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर में मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के राशनकार्ड धारकों को नया राशनकार्ड बनाकर वितरण किया। मौके पर बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह राशनकार्ड वितरण शिविर में पहुंचे सभी लाभुकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की हर योजना पर सबसे पहले लाभुकों का हक हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा सरकार की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। योजना का लाभ लाभुकों को मिले इसलिए शिविर लगाकर 1280 राशनकार्ड लाभुकों के बीच वितरण किया गया।

गया । वजीरगंज-फतेहपुर सड़क पर कंचनपुर गांव के पास मंगलवार देर शाम को सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में शामिल दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, जिससे आमने-सामने की टक्कर में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। टनकुप्पा प्रखंड के बरडीहा के रहने वाले कमलेश मांझी (35) हादसे के दौरान सड़क पर गिर गए। सिर में गंभीर चोट और अत्यधिक खून के अधिक बहाव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार 3 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को फतेहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए गया रेफर किया गया। रास्ते में फतेहपुर थाना क्षेत्र के एकमा गांव निवासी धीरज कुमार (28) ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही फतेहपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को जब्त कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक बाइक एकमा गांव से फतेहपुर की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी बाइक पर सवार कमलेश मांझी वजीरगंज की ओर जा रहा था। दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण टक्कर हुई। घटना में दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए हैं।

भागलपुर ट्रैफिक डीएसपी समेत 6 पर केस दर्ज

घर में घुसकर बुजुर्ग से की मारपीट, बहू के नाम मकान लिखने का बना रहे थे दबाव

पटना । कदमकुआं थाने में भागलपुर ट्रैफिक डीएसपी आशीष कुमार समेत 4 लोगों के खिलाफ त्रक्षक्र दर्ज की गई है। डीएसपी पर बुजुर्ग के साथ मारपीट और मकान लिखने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। यह केस कोर्ट के आदेश पर 18 नवंबर को दर्ज किया गया है। पीड़ित विजय कुमार(69) ने बताया कि 9 सितंबर 2024 की शाम करीब 5 बजे अपने बीमार बेटे के साथ बैठे थे। इसी दौरान मेरी बड़ी बहू साधना सिंह अपने रिश्तेदार भागलपुर ट्रैफिक डीएसपी आशीष कुमार, कुंदन सिंह, अनीता सिंह और रौनक सिंह के साथ जबरदस्ती घर में घुस गए। सभी लोगों ने मेरे और मेरी पत्नी के साथ मारपीट की। इसके बाद पिस्टल के बल पर 1000 रुपए के सादा स्टांप पेपर पर मुझसे साइन करा लिया। घर में हो रही आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसके बाद सभी फरार हो गए।

विजय कुमार ने आगे कहा कि 'घटना की जानकारी कदमकुआं थाने को दी। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामला भी दर्ज नहीं किया गया। घटना के दूसरे दिन यानी 10 सितंबर को दोपहर 12 बजे अनीता कुमारी, अंशु कुमारी, कुंदन कुमार, रौनक कुमार, अभय प्रताप सिंह और कदमकुआं थाने के तीन पुलिसकर्मी मेरे घर पर पहुंचे। एक पुलिसकर्मी के बैच पर अमित कुमार लिखा था। सभी ने धमकाते हुए कहा कि अगर साधना कुमारी को तुम लोगों ने अपना घर नहीं लिखा तो बर्बाद कर देंगे।' थाने की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई तो पीड़ित विजय कुमार ने कोर्ट में कार्रवाई को लेकर प्रार्थना पत्र दायर की। कोर्ट ने 12 नवंबर को पटना एसएसपी को त्रक्षक्र दर्ज करने का आदेश दिया। कदमकुआं थानेदार राजीव कुमार के मुताबिक, 18 नवंबर को एफआईआर दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 126(2), 115(2), 308(2), 74, 76, 303(2), 3(5) लगाया गया है। प्राथमिकी में भागलपुर के ट्रैफिक डीएसपी आशीष कुमार, साधना कुमारी (बड़ी बहू), अनीता सिंह (बहू की मां), रौनक प्रताप सिंह, अंशू देवी, अभय प्रताप सिंह का नाम है। इसके अलावे 5 अज्ञात लोग शामिल है। थानेदार राजीव कुमार ने कहा कि 'पुलिस निष्पक्ष होकर पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच में दोषी पाए जाने पर पुलिसकर्मी के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' डीएसपी आशीष कुमार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि 'हां मैं कदमकुआं गया था। मेरी भतीजी के पति और पीड़ित विजय कुमार के बेटे बीमार है। मैं पटना छुट्टी ले कर गया था। इसी दौरान भतीजी के बीमार पति को देखने गया था। मेरी किसी तरह की लड़ाई उनसे नहीं हुई है। ये सभी आरोप गलत है।

अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी को फोन पर मिली धमकी

सीवान। नगर परिषद में कार्यरत सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी उज्जवल तिवारी को मोबाइल पर फोन कर धमकी दी गई है। इसकी सूचना उज्ज्वल तिवारी ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को दी है। उन्होंने धमकी मिलने के बाद सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की है। पदाधिकारी ने आवेदन दिया है। उन्होंने अपने आवेदन में कहा है कि सुबह में कार्यालय काम में उपयोग किए जाने वाले मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया। उसके बाद कॉल करने वाला अपने आप को वार्ड पार्षद जावेद बताया। साथ ही धमकी वाले लहजे में कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी का मोबाइल बंद क्यों है, उनसे कैसे बात होगी। परेशानी पूछने पर कहा गया कि एक जेसीबी और चार मजदूर की आवश्यकता है। पदाधिकारी के अनुसार उन्हें देख लेने की भी धमकी दी गई है। पहले कॉल के दौरान ही उन्होंने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया, जिसे मैं काफी डरा और सहमा हुआ हूं। इसी मामले में उन्होंने आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार सिंह से इस धमकी व घटना के बारे में बात किया गया तो उन्होंने कुछ भी ठीक-ठाक जवाब नहीं दिया।

जांच एजेंसी ने एसवीयू व डीजीपी से की सिफारिश

पटना। ईडी ने संदेश से राजद के पूर्व विधायक अरुण यादव और उनकी विधायक पी किरण देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) व डीजीपी से की है। केंद्रीय एजेंसी ने पीएमएलए का हवाला देते हुए इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की है। मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले की जांच तेजी से शुरू होगी। अब दोनों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और पद का दुरुपयोग समेत अन्य आपराधिक गतिविधि से संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज होगी। एक माह पहले राजद के पूर्व विधायक अरुण यादव के 19 करोड़ 32 लाख की 46 अचल संपत्तियों को ईडी ने जब्त किया था।

दो बदमाशों ने युवक पर किया जानलेवा हमला

नवादा। नगर थाना क्षेत्र के मिजार्पुर में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। उसके गर्दन और कमर पर वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान मिजार्पुर के जागेश्वर यादव के बेटे रौशन कुमार उर्फ बिल्ला के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह अपने दोस्त के साथ मिजार्पुर के कृष्ण गार्डन के मैदान में बैठा था। अचानक दो की संख्या में आए बदमाशों ने सबसे पहले सीधे गर्दन पर वार कर दिया। इसके बाद कमर पर भी मिला किया गया। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने हल्ला किया तो दोनों हमलावर वहां से भाग गए। इसके बाद जख्मी युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मी बिल्ला एक महीना पहले ही जेल से बाहर आया है। पूर्व में हथियार व डकैती के मामले में पुलिस ने नगर थाना पकड़ कर जेल भेजा था। फिलहाल इस मामले की पुलिस पूरी तरह जांच कर रही है। जख्मी ने बताया है कि मिजार्पुर मोहल्ले के अर्जुन चौधरी का बेटा गुड्डू चौधरी और सुनील चौधरी ने मेरे शरीर पर वार किया गया है और मेरी हत्या करने की कोशिश दोनों ने की है। बताया जाता है कि जुआ खेलने को लेकर विवाद हुआ था और विवाद में युवक की शरीर पर वार्ड किया गया है। जहां गर्दन और कमर पर पसली से वार किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार और निरंजन सिंह पहुंचकर पूरे मामला की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने कहा है कि आवेदन के आधार पर मामला की जांच करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रिटायर महिला प्रोफेसर से 3.6 करोड़ की ठगी

तीन दिन तक हाउस अरेस्ट किया, पुलिस वारंट लेकर पहुंचा अपराधी, छठ में रेस्ट भी दिया

पटना । कदमकुआं की रहने वाली रिटायर महिला प्रोफेसर ज्योति वर्मा (78) से साइबर अपराधियों ने 2 सप्ताह में 3.6 करोड़ रुपए ठग लिए। अपराधियों ने छठ के समय महिला को रेस्ट भी दिया, छठ के बाद अपराधियों ने फिर से ठगी शुरू कर दी। अंत में महिला ने हारकर अपने बेटे को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद साइबर थाने में मामला दर्ज कराया गया। साइबर क्रिमिनल सीबीआई अधिकारी बनकर महिला का अरेस्ट वारंट लेकर घर भी पहुंचा। महिला को तीन दिन तक हाउस अरेस्ट भी किया। महिला की निगरानी करने के लिए एक साइबर अपराधी तीन दिन सीबीआई का अधिकारी बन घर में आता-जाता रहा। शुरू में महिला खुद बैंक जाकर अपराधियों के बताए खाना नंबर पर RTGS कराती थी। लास्ट में जब महिला के बैंक अकाउंट में पैसे खत्म हो गए, तब महिला ने सारी बातें अपने बेटे को बताई। दरअसल, पटना में रोड नं 5, संत ज्योसफ हाई स्कूल के बगल में रहने वाली ज्योति वर्मा ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मुझे 5 नवंबर को दोपहर 12-01 बजे के बीच मेरे नंबर पर एक कॉल आया। सामने वाले ने कहा कि आपने रइक से क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई किया था और उसमें से 1.15 लाख रुपए खर्च भी कर दिया गया है। महिला ने कहा कि मैंने क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई किया ही नहीं है। तभी मुझे किसी बड़े अफसर से बात करने के लिए जोडा गया। नकली उइक अधिकारी ने मुझे कहा कि ज्योति वर्मा के नाम से एक केनरा बैंक, हैदराबाद में अकाउंट है। नरेश गोयल से संबंधित मनी लॉडरिंग से जुड़ा है और इसलिए आप सस्पेक्ट हैं। उसके बाद मेरे घर पर एक आदमी पुलिस वारंट

लेकर पहुंचा। मैंने उस अधिकारी से कहा कि मैं सिनियर सिटीजन हूं, सामने वाले ने कहा कि बहुत सिरियस केस है। इस केस के बारे में किसी को नहीं बताइएगा, वरना पूरे परिवार को जान का खतरा है। अब आपको अपना सारा पैसा सुप्रीम कोर्ट को भेजना होगा, जिसकी निगरानी में रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया आपके पैसों की जांच करेगा कि आपके पास ब्लैक मनी तो नहीं है। अगर आपके पास ब्लैक मनी या मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा नहीं होगा तो आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपको अपना सारा पैसा सुप्रीम कोर्ट भेजना होगा, इसके लिए अपराधी सुप्रीम कोर्ट के लेटर हेड पर यह बातें लिखी हुई भी लेकर आया। मैं डर गई, जिसके बाद छठ के पहले एक बार मैने बैंक जाकर उनके बताए खाते पर पैसा भेजा। अपराधियों ने मुझे छठ के दौरान रेस्ट भी दिया। छठ खत्म होते ही अपराधियों का फोन आने लगा। मैं कई बार बैंक जाकर उनके बताए खाते में पैसा भेजती रही।

मैंने कुल 13 बार में 2.95 करोड़ रुपए भेजा। मैंने और पैसा नहीं होने की बात कहीं, तब अपराधियों ने मुझे हाउस अरेस्ट कर लिया। मुझे कहीं आने-जाने की मनाही थी। यहां तक कि मेरे घर एक नकली सीबीआई ऑफिसर बनकर एक आनंद नाम का व्यक्ति मेरी निगरानी करता था। वह दिन भर में कई बार मेरे घर आता और पैसा भेजने का दबाव बनाकर चला जाता। महिला प्रोफेसर ने बताया कि अपराधियों ने मुझसे कहा कि आपका पैसा ब्लैक मनी नहीं है। आपको आपका पैसा मिल जाएगा। इसके लिए आपको 7.5 लाख रुपए और भेजना पड़ेगा। एक दिन में आपका सारा पैसा आपके खाते में सुप्रीम कोर्ट भेज देगी। मैंने फिर 7.5 लाख रुपए उनको भेज दिया। मेरा पैसा मुझे वापस नहीं मिला। मेरे खाते से सभी पैसे भी खत्म हो गए। इधर, अपराधियों का फोन आना भी बंद हो गया, जिसके बाद मैने अपने बेटे को इसकी जानकारी दी। तब साइबर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। साइबर थानाध्यक्ष राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि ज्योति वर्मा को हाउस अरेस्ट कर उनसे 3.6 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। पुलिस ने पीड़िता द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर और अकाउंटस की जानकारी ली है। छानबीन की जा रही है। फिलहाल महिला अपने बेटे के पास दिल्ली चली गई है।

अनुप्रिया एएसपी से बोलीं: गुंडई बर्दाश्त नहीं

आपके पास 2 घंटे हैं, वरना योगी से शिकायत करूंगी, घायल कार्यकर्ता से मिलने मिजार्पुर आई थीं

मिर्जापुर। 'पौने 4 बज रहे हैं, 6 बजे तक हमें रिपोर्ट चाहिए..इस केस में क्या हो रहा है। आप लोग कुछ नहीं करेंगे तो फिर देखिए मैं क्या करती हूं? ये गुंडागर्दी जो हो रही है न, ये कार्यकताओं के घर में घुसकर मारा जा रहा है, बच्चियों को उठाया जा रहा, ये सब नहीं चल पाएगा, बर्दाश्त नहीं करूंगी।' यह बात केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कही। मिजार्पुर पहुंचीं अनुप्रिया काफी गुस्से में दिखीं। एएसपी नितेश सिंह को उन्होंने मौके पर बुलाया। कार्यकर्ता के बेड के बगल में बैठकर एसपी सिटी से कहा- आप तो और महान हैं, आप तो अब आ रहे हैं। बढ़िया ट्रीटमेंट करवाओ इनका। आप लोगों को जो एक्शन करना है वो करिए, 6 बजे तक का आपको मैं टाइम दे रही हूं। इतना गंदा एटीट्यूड है न आप लोगों का, मतलब मुझे आना पड़ रहा है यहां। इसमें तो आपको खुद ऑन-द-स्पॉट एक्टिव हो जाना चाहिए था। जानकारी होने के बाद आप लोग सो रहे थे..सेम फुल। अनुप्रिया पटेल की इस नाराजगी का वीडियो भी सामने आया है। मामला मिजार्पुर के विंध्याचल थाना क्षेत्र के कुरौठी पांडेय गांव का है। यहां रहने वाले अजय पटेल खेतीबाड़ी करते हैं। साथ ही अपना दल के कार्यकर्ता भी हैं। उनके परिवार वालों ने बताया कि सोमवार देर शाम गांव के कुछ दबंग उनके घर में घुस आए। वो उनके घर में बैठकर शराब पीने लगे। विरोध करने पर पहले तो वो लोग चले गए, लेकिन बाद में फिर से घर में घुस आए। गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। उन्होंने अजय पटेल के सिर पर लाठी मारी और उनकी पत्नी को भी खूब पीटा। दोनों को मार-मारकर अधमरा कर दिया। फिर नाबालिग बेटी को जबरन खींचकर ले जाने लगे। इस बीच परिवार वालों की चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। गांव के लोगों ने ही सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को भी पूरे मामले की सूचना दी गई, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। इस मामले की जानकारी होने पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल घायल पार्टी कार्यकर्ता और उसके परिवार वालों से मिलने मिजार्पुर के मंडलीय अस्पताल पहुंचीं। इस दौरान घायल कार्यकर्ता की पुलिस के सुनवाई न करने पर भड़क गईं। जहां पर परिवार के लोगों ने मंत्री को बताया कि घटना को एक दिन बीत चुका है, लेकिन पुलिस उनकी कोई मदद नहीं कर रही। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने चेतावनी देते हुए कहा- वो हमारी पार्टी का कार्यकर्ता है। यह विंध्याचल थाना क्षेत्र का मामला है। कार्यकर्ता के साथ घर में घुसकर मारपीट हुई है। बेटी को जबरन ले जाने की कोशिश की गई। पिता ने विरोध किया तो मार-मारकर उसका सिर फोड़ दिया। मां की हड्डी-पसली तोड़ दी। इतने बुरे हालात हैं। इतनी शर्मनाक बात है कि हमारी पुलिस सो रही है। हमारे यूपी और देश की सरकार जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है। बहू-बेटियों के साथ हम कोई भी गलत काम बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैंने निर्देश दिया है, दो घंटे का समय दिया है। अगर एक्शन नहीं हुआ, तो सीधे ये मामला सीएम तक जाएगा।

धर्म की विजय के लिए भगवान लेते हैं अवतारः अतुल कृष्ण भारद्वाज

संवाददाता

कुशीनगर। जब-जब धरती पर अधर्म का बोलबाला होता है, तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेते हैं। भगवान को पाने का मार्ग केवल सच्चे मन की भक्ति है। राम कथा में श्रीधाम वृन्दावन से पधारे मानस मर्मज्ञ अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने फाजिलनगर के अमवा श्री दूबे में हो रहे श्री रुद्र महायज्ञ के दौरान कहा कि भगवान हर जगह विद्यमान हैं और भक्त के प्रेम के वशीभूत होकर प्रकट होते हैं। उन्होंने बताया कि धर्म एकजुटता का भाव पैदा करता है, जबकि सम्प्रदाय व्यक्ति को बाहरी रूप से सीमित करता है। ईश्वर के अवतार अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा करते हैं। त्रेता युग में भगवान राम ने अयोध्या में और द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने मथुरा में अवतार लेकर असुरों का नाश किया। श्री भारद्वाज ने युवाओं की पाश्चात्य सभ्यता की ओर झुकाव पर चिंता जताई और माताओं से अपील की कि वे गर्भावस्था में भगवान का सुमिरन करें और सात्विक जीवन अपनाएं। भगवान राम के जन्म की कथा के दौरान जैसे ही भजन गाया गया, पंडाल राममय हो गया और श्रोता झूम उठे, मानो भगवान का जन्म साक्षात हुआ हो।कथा का शुभारम्भ व्यास गद्दी का पूजन-अर्चन कर भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष डा.कन्हैया शर्मा व स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र ऊर्फ इंदू उपाध्याय ने कराया।

इस दौरान काशी से पधारे यज्ञाचार्य पंडित त्रिभुवन पाण्डेय, मुख्य यजमान सोनी देवी हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज, सुभावती देवी जीतन गौड़, सुशीला देवी चित्रसेन द्विवेदी, सोनम देवी महेश द्विवेदी, आरती देवी विनोद यादव, सुमित्रा देवी अशर्फी गुप्ता, अंजनी देवी जगदीश गुप्ता, गीता देवी रविन्द्र गुप्ता,रीता देवी गुड्डू दूबे, बिट्टू देवी गोविंद दूबे, विद्यावती देवी रामलखन प्रजापति, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक, मनोज द्विवेदी, हषिकेश द्विवेदी, उपेंद्र द्विवेदी, सुरेश उपाध्याय समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

नेता विरोधी दल विधान परिषद पहुंचे खोहिया

पूर्व प्रधान के निधन पर जताया शोक

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से आम जनता नाराज है। हो रहे उपचुनाव में सपा सभी नौ सीटें जीतेगी। यह चुनाव 2027 में उत्तर प्रदेश की दशा, दिशा तय करेगा और जनता विकास के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है। मंगलवार की शाम को नेता विरोधी दल विधान परिषद उत्तर प्रदेश लाल बिहारी यादव कसया विकास खण्ड के ग्राम सिरसिया खोहिया बजरकरैया पहुंचे थे। जहां उन्होंने सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरन्दर प्रताप यादव की माता पूर्व प्रधान सँवारी देवी के निधन पर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। नेता विरोधी दल विधान परिषद श्री यादव कहा कि उपचुनाव में देखा गया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सभा में जितनी भीड़ देखने को मिली। उससे यह साफ हो रहा था कि सपा सभी सीटें जीतेगी। मुख्यमंत्री योगी व उनके मन्त्रियों की सभा को लेकर कोई उत्साह जनता में नहीं दिखा। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी को लेकर किसान, मजदूर, नौजवान, बेरोजगार, व्यापारी हर वर्ग विरोध में खड़ा है। नौ सीटों का उपचुनाव 2027 के चुनाव का स्तम्भ बनेगा। श्री यादव ने सपा पदाधिकारियो को आम जन के दुःख, सुख में भागिदार बनने की नसीहत दी। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी, पूर्व एमएलसी राम अवध यादव, राजेश प्रताप राव, प्रदेश कार्यकरणी सदस्य चंद्रजीत यादव, डॉ परशुराम पटेल, कैंसर जमाल टीटू, राजीव यादव एडवोकेट, विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र यादव, विजय यादव, विजेंद्र प्रताप यादव, देवेन्द्र प्रताप यादव, राम नरेश पटेल, महेंद्र सिंह, राम गुलाब यादव, रमेश यादव, ओमप्रकाश यादव, भोला यादव, आस मोहम्मद, महेश यादव, रामपत कुशवाहा, राम आशीष सिंह, सुदर्शन यादव, गोविन्द यादव सहित भारी संख्या में सपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

गांव की लाडली बनी सिने जगत की छोरी

माडलिंग और पत्रकारिता की पढ़ाई के बाद फिल्म नायिका बनी रचना सिंह यदुवंशी

संवाददाता

कुशीनगर। रचना सिंह यदुवंशी एक ऐसा नाम है जो आजकल भोजपुरी फिल्म जगत में एक मुकाम हासिल कर आए दिन फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहने लगी है। माडलिंग के बाद दिल्ली से पत्रकारिता की पढ़ाई कर फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली रचना सिंह यदुवंशी में कला की बारीकियां कूट कूट कर भरी हुई है, यही वजह है कि जो फिल्म निर्देशक एक बार रचना के अभिनय को देख लेता है वो आगे की फिल्मों में भी इन्हे सलेक्ट कर लेता है। सभ्य शुशील और सज्जन स्वभाव की यह बाला उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले की जमनिया तहसील अंतर्गत ग्राम फुल्ली (शेरपुर) की जन्मी है जो आजकल मुंबई में अपना आशियाना बना कर रहती है। पिछले दिनों कुशीनगर में शकुंतला नामक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग के दौरान रचना सिंह यदुवंशी से एक मुलाकात हुई। रचना पढ़ी लिखी एक होनहार जज्बे वाली लड़की है, अति मृदुभाषी रचना बताती है कि उसे बचपन में टीवी या सिनेमा के परदे पर दिखने का बहुत शौक था जो हमें यहां तक खीच लाया, मिस काशी, मिस यूपी और मिस इंडिया मोस्ट पापुलर के खिताब से नवाजी जा चुकी रचना में घमंड नाम का कोई चीज नहीं ये शूटिंग स्थल पर बिलकुल साधारण स्वभाव में रहती हैं। फिल्म शकुंतला की चल रही शूटिंग में ये मुख्य नायक प्रिंस सिंह राजपूत की भाभी के रूप में जोरदार अभिनय कर रही हैं।

समलैंगिक संबंध को बचाने के लिए किया बच्ची का अपहरण

लखनऊ । पारा में समलैंगिक संबंध बचाने के लिए 6 साल की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया। एक महिला ने 6 साल की बच्ची की गायब होने की शिकायत पारा थाने में दर्ज कराई थी। हसीना नाम की महिला पर बच्ची को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने बच्ची को 24 घंटे के अंदर कृष्णा नगर इलाके से बरामद कर लिया। जानकारी के मुताबिक आश्रयहीन कालोनी की रहने वाली रन्नो देवी की 6 साल की बेटी रविवार को सुबह 8:30 बजे दुकान पर नमकीन लेने गई थी। वहां से हसीना ने उसको किडनैप कर लिया और अपने साथ ले गई। पुलिस ने सोमवार सुबह हसीना को गिरफ्तार किया और बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में हसीना ने बताया कि वो मूल रुप से पाकुर झारखंड की रहने वाली है। उसके रन्नो के साथ समलैंगिक संबंध थे। 6 साल से दोनों साथ रह रही थीं। हसीना मजदूरी करके कमाने जाती थी जबकि रन्नो घर का काम देखती थी। रन्नो की दो शादियां पहले हो चुकी हैं। हसीना का पति उसे छोड़ चुका है। दोनों की मुलाकात हुई तो साथ रहने का फैसला कर लिया। कुछ दिन पहले रन्नो ने किसी अन्य व्यक्ति से शादी करने की बात हसीना के सामने रखी।

रोडवेज बस-ट्रक की टक्कर, दोनों ड्राइवरों की मौत

कानपुर । घाटमपुर में रोडवेज बस और ट्रक की आमने -सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों ड्राइवरों की मौत हो गई। वहीं बस में बैठे कई यात्री घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर गंभीर घायलों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। प्रशासन ने गैस कटर से सीट काटकर फंसे यात्रियों का बाहर निकाला। करीब तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। सूचना मिलते ही घाटमपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों की मदद से रोडवेज बस में फंसे हुए यात्री और ट्रक ड्राइवर को निकालने का प्रयास शुरू किया। लेकिन डेढ़ घंटे बीतने के बाद भी नहीं निकाल पाए। इसके बाद प्रशासन ने गैस कटर से रोडवेज बस की सीट काटकर फंसे यात्री को बाहर निकाला, इसके बाद ट्रक ड्राइवर को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने ट्रक चालक को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कानपुर के घाटमपुर थाना क्षेत्र के कानपुर-सागर हाइवे पर स्थित चीनी मील मोड के पास कानपुर से राठ जा रही राठ डिपो की रोडवेज बस और ट्रक की आमने -सामने भिडंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी, कि बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। सभी यात्री बस से बाहर निकलने का प्रयास करने लगे। हादसे में बस में दो यात्री फंस गए। दो की मौत हो गई। इस घटना के बाद रोड पर काफी भीड़ हो गई। पुलिस रास्ते को सामान्य करने का प्रयास कर रही है। राहगीरों ने घटना की सूचना घाटमपुर पुलिस को फोन कर दी। जानकारी मिलते घाटमपुर पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर घायलों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते कानपुर एडीएम एफआर राकेश कुमार और डीसीपी ट्रैफिक अंजली विश्वकर्मा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बस के परिचालक आत्माराम से घटना की जानकारी जुटाई है।

सपा नेता राजेश प्रताप राव के नेतृत्व में मुआवजे के लिए किसानों ने दिया ज्ञापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के तुर्कवालिया दरियाव सिंह, बकनहा, आहिरौली राजा, खड्डा में सड़क निर्माण के लिए ली गयी जमींन के प्रभावित किसानों ने सपा के वरिष्ठ नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी कसया को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर मुआवजे की मांग की। मंगलवार को सड़क निर्माण के लिए ली गयी जमीन के प्रभावित किसान कसया तहसील पहुंचे और सपा के वरिष्ठ नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सपा नेता श्री राव ने कहा कि सपा किसानों के साथ है। सड़क निर्माण में जो किसान प्रभावित हो रहे हैं। उन किसानों की जमींन का मुआवजा सरकार द्वारा दिया जाय। किसानों ने कहा कि बाड़ीपुल चौराहा से आहिरौली बाजार जाने

वाली सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क 20 कड़ी की चौड़ाई में एक दशक पूर्व चकमार्ग की जमीन पर निर्मित है। मौके पर बनी सड़क सरकारी कागजात में अंकित जमींन से चौड़ाइ अधिक है। जिसका मुआवजा भी नहीं मिला। अब सड़क के शुद्धिकरण व चौड़ीकरण कार्य में सड़क की चौड़ाई बढ़ाये जाने से तमाम असहाय गरीब किसानों की भूमि प्रभावित है।

प्रार्थीगण काफी गरीब हैं, खेती कम है और जमींन देने को इच्छुक नहीं है। प्रभावितों ने कहा कि सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए 20 कड़ी के बाद ली गयी जमींन का उचित मुआवजा दिलाया जाय। इस दौरान प्रसून जायसवाल, विजय कांत मिश्रा, मेहदी हसन, मुईज्जम हुसैन, सुरेश, उस्मान अंसारी, अजय शर्मा, तेज बहादुर, भूपेंद्र वर्मा, राजेश्वर, राजेन्द्र, तीर्थराज, उपेंद्र तिवारी, हसन अंसारी, मुलाजिम अंसारी, शारदा यादव, जगदीश कुशवाहा, चोकट, निजामुद्दीन, राजेन्द्र तिवारी, हिमांशु तिवारी, राजकुमार गुप्ता, कमलेश सहित सैकड़ों प्रभावित किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

देव दीपावली पर पंच दिवसीय अनुष्ठान सम्पन्न

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत बुद्ध घाट पर स्थित रामाभार माता भगवती मन्दिर में देव दीपावली के उपलक्ष्य में पंच दिवसीय अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। भगवती मन्दिर में विद्वान आचार्यगण द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन अर्चन किया। मंगलवार को विद्वान आचार्य सच्चिदानंद शास्त्री, पंडित तारकेश्वर पाण्डेय व आचार्यगण ने विधि विधान से दुर्गा सप्तसती का सस्वर पाठ किया और पूजन किया। इसके पश्चात शिव स्तुति की गई। आचार्य श्री शास्त्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान शिव असुर त्रिपुरासुर का बध कर देवताओं की रक्षा की थी। खुशी में देवताओं ने धरती पर आकर देव दीपावली मनाई जो देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। वाराणसी में दीपोत्सव की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। अंत में शंख ध्वनि, घण्टा के साथ माता भगवती की आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर संदीप मिश्रा, अम्बरीष, राजन, अंकित, यजमान ब्यूटी, लक्की, चाहत, गोल्डी सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

फिल्मों में स्थापित मां साबित हो रही हैं निसात सिरीन

संवाददाता

कुशीनगर। निसात सिरीन एक ऐसा नाम है कि जिन्हें फिल्म वाली मां के रूप में लोग जानते हैं, हिंदी भोजपुरी के अलावा कई अनेक भाषाई फिल्मों में इन्होंने मुख्य नायक तथा नायिका के मां का जोरदार किरदार निभाया है। पिछले दिनो कुशीनगर में नहाटा फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रहे भोजपुरी फिल्म शकुंतला फिल्म की शूटिंग के दौरान मुलाकात हुई, इस फिल्म में ये मुख्य नायक प्रिंस सिंह राजपूत की मां का किरदार कर रही हैं। फिल्म में मुख्य नायिका पायस पंडित की सास और सुशील सिंह की पत्नी के रोल में हैं। मुंबई की पली बढ़ी निसात सरीन किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं ये फिल्म वाली मां के रूप में प्रसिद्ध हो चुकी है। भोजपुरी भाषाई क्षेत्र की न होने के बावजूद फरार्टेदार भोजपुरी बोलती और समझती हैं, इन्हे इंग्लिश का भी बेहतर ज्ञान है। सिरीन 21 वर्षो से फिल्म में काम कर रही हैं, हिंदी और भोजपुरी भाषा की तमाम फिल्मों में इन्होंने मां के किरदार में अपने अभिनय का जोरदार छाप छोड़ी है। फिल्म खट्टा मीठा, तुम मिलो तो सही, कुश्ती, बंधन टूटे ना , संयोग से बनी संगिनी, पवित्र रिश्ता, डोली अरमानों की, छोटी सरदारनी, ये इश्क है आदि फिल्मों में इन्होंने बेहतर अभिनय किया है इस प्रकार इनके कई दर्जन हिंदी भोजपुरी फिल्में हैं जिसमे इनके किरदार को काफी सराहना मिली है।रियल लाइफ में भी ये एक व्यवहार कुशल महिला हैं।

बिजली चोरी करने के जुर्म में दो हजार रुपये का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के सुमेरपुर में एलटी लाईन में कटिया डालकर बिजली चोरी करने के जुर्म में 29 फरवरी 2012 में अ० सं०-166/2012 धाराझ135 विद्युत एक्ट में अभियुक्त शिव सिंह पुत्र नरायण सिंह निवासी नया पटेलनगर थाना कोतवाली उरई जनपद जालौन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कंविक्शन के तहत 18 नवंबर 2024 को न्यायालय ईसी एक्ट कोर्ट हमीरपुर ने अभियुक्त शिव सिंह उपरोक्त दोषसिद्ध करते हुए न्यायालय उठने तक की सजा व 2000 रुपये के जुमार्ने से दण्डित किया गया। मामले की विवेचना ऊदल सिंह ने की थी, जबकि अभियोजन की तरफ से एडीजीसी सुभाष श्रीवास्तव ने जोरदार पैरवी की।

गोरखनाथ मंदिर में युवक ने घुसने की कोशिश की

गोरखपुर । गोरखनाथ मंदिर में एक युवक बाइक लेकर घुसने की कोशिश करने लगा। जबकि, जहां से वो मंदिर में घुसने की कोशिश कर रहा था, वहां बाइक ले जाने की परमिशन नहीं है। वहां सिर्फ पैदल ही जाया जा सकता है। युवक को प्रतिबंधित रास्ते से बाइक लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश करता देख जब वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका तो वो उनसे उलझ गया। इसके बाद पुलिस में उसे हिरासत में ले लिया और पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ में उसकी पहचान शाहपुर इलाके के हड़वा फाटक के रहने वाले धर्मेश कुमार के रूप में हुई। वो शहर के एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता है। युवक शराब के नशे में धुत था। पूछताछ में युवक ने बताया कि आज ही गोरखनाथ मंदिर में उसकी बहन की शादी है। वह शादी समारोह में ही शामिल होने जा रहा था। जब पुलिस ने उसके बयान की जांच की तो उसकी बात सच निकली, मंदिर परिसर में ही उसकी बहन की शादी है।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

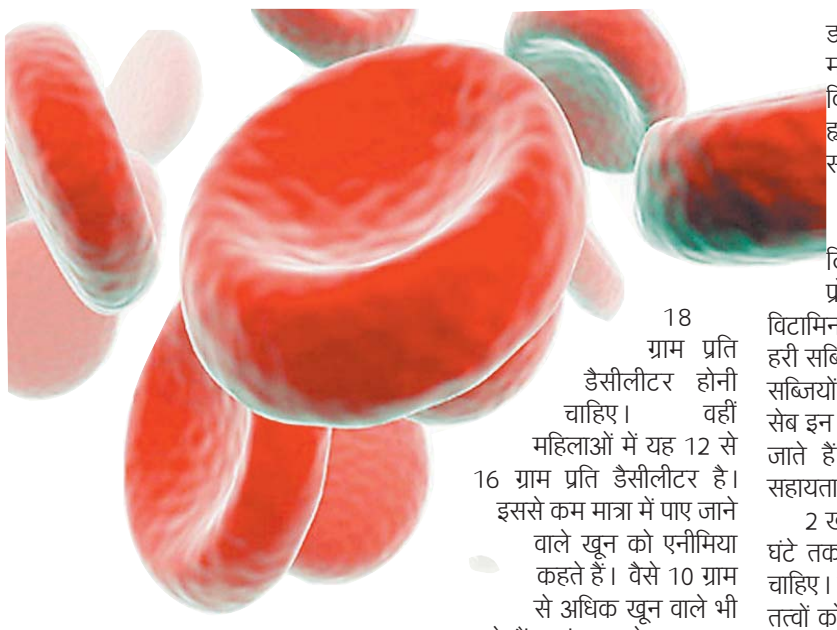

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.

- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

अब केवाईसी न होने पर अकाउंट नहीं होगा फ्रीज, आरबीआई ने लगाई फटकार

दिशा-निर्देशों का पालन सटीकता और सहानुभूति के साथ किया जाए

नई दिल्ली।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने उन बैंकों को फटकार लगाई है जो केवाईसी न होने पर अकाउंट फ्रीज कर रहे हैं जिनके खाते में सरकार से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) फंड मिलता है। इसमें सब्सिडी, पेंशन, किसी खास योजना का पैसा आदि शामिल हैं। इसके अलावा आरबीआई ने इन बैंकों को केवाईसी अपडेट में देरी करने के लिए भी दोषी पाया है। इस कारण काफी लोगों के अकाउंट फ्रीज हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशकों को संबोधित करते हुए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि बैंकों को तय करना चाहिए कि केवाईसी दिशा-निर्देशों का पालन सटीकता और सहानुभूति दोनों के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने पहले भी बैंकों को निर्देश दिए थे। इनमें कहा गया था कि बैंक केवाईसी के अभाव में उन अकाउंट को फ्रीज नहीं करें जिनमें सरकारी योजनाओं का पैसा ट्रांसफर होता है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक को ग्राहकों से संबंधित कई समस्याओं के बारे में पता चला है। इनमें ग्राहकों की केवाईसी को समय-समय पर अपडेट करने में बैंक के स्तर पर ज्यादा देरी होना। ग्राहकों की सहायता करने और जरूरी डॉक्यूमेंट्स प्राप्त करने में सक्रिय दृष्टिकोण की कमी होना। कई जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए स्टाफ का पूरा न होना। इस कारण किसी काम के लिए ग्राहक को मना करना। हर काम के लिए ग्राहक को होम ब्रांच भेजना। ग्राहकों की ओर से सभी जरूरी डॉक्यूमेंट देने के बाद भी सिस्टम में जानकारी अपडेट करने में देरी करना शामिल है। स्वामीनाथन ने कहा कि जिस तरह से दिशा-निर्देशों को लागू किया जा रहा है, उसके कारण कई अकाउंट फ्रीज हो रहे हैं। इससे ग्राहकों को उनका पैसा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्डों को यह तय करना चाहिए कि बैंकों की सर्विस में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। खासकर सीनियर सिटिजंस आदि के लिए।

एनसीआर में नया शहर बसाने की योजना, भूमि अधिग्रहण की कवायद तेज

पहले चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि पर काम शुरू किया जाएगा

नई दिल्ली ।

नोएडा प्राधिकरण के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने नए नगर न्यू नोएडा के विकास की योजना में गति लाने के लिए कार्य शुरू कर दिया है। इस नगर के लिए भूमि अधिग्रहण को सर्वे करने का काम अब भूमि मालिकों, गांववासियों और ग्राम प्रधानों के साथ किया जा रहा है। न्यू नोएडा का विकास डेडीकेटेड दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) के तहत किया जाएगा।

इस परियोजना में गौतम बुद्ध नगर के और बुलंदशहर के कई गांव शामिल होंगे। आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर, पहले चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि पर काम शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस परियोजना के मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी दी है, जिसमें भूमि के विभिन्न हिस्सों को आवासीय, व्यावसायिक, हरित, सार्वजनिक और अन्य क्षेत्रों के लिए आरक्षित किया गया है। डीएनजीआईआर क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) के एक महत्वपूर्ण निवेश क्षेत्र के रूप में माना जा रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से जुड़े इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं होंगी।

इसके साथ ही न्यू नोएडा को पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा। न्यू नोएडा का विकास एक उच्चतम स्तरीय परियोजना है जो मुख्य शहरों के साथ संविदान किया गया है। भूमि अधिग्रहण की तैयारियाँ तेजी से जारी हैं और यह नगर एक नया मील का पत्थर बनने की दिशा में अग्रसर है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 55 फीसदी तक गिरा

- निवेशकों को 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली ।

हाल ही में लिस्टेड कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपने निवेशकों को बड़ी चोट पहुंचाई है। इस कंपनी का शेयर करीब 55 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे निवेशकों के लगभग 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। मंगलवार को यह शेयर 70 रुपए पर बंद हुआ, जबकि 20 अगस्त को यह उच्चतम स्तर पर था। ओला इलेक्ट्रिक के ग्राहकों की खराब सेवा और उत्पाद गुणवत्ता का आरोप शेयरों में गिरावट का मुख्य कारण बन रहा है। कई ग्राहकों ने गाड़ी में तकनीकी समस्याओं की शिकायत की है, जैसे कि ब्रेक शू की खराबी और बैटरी व सॉफ्टवेयर की समस्याएं। इससे कंपनी के शेयरों में व्यापक गिरावट देखने को मिल रही है। इसके अतिरिक्त ओला इलेक्ट्रिक के खराब वित्तीय नतीजे भी शेयर में गिरावट का बड़ा कारण है। कंपनी की दूसरी तिमाही में 495 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जो कंपनी की बढ़ती संख्याओं को दर्शाता है। ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल की कॉमेडियन कुणाल कामरा के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस के बाद, कंपनी की भड़की किरकिरी का सामना करना पड़ा। कुणाल कामरा ने कंपनी के उत्पादों में पाई जा रही समस्याओं को सामने रखकर कंपनी पर हमला किया, जिससे कंपनी की साख और धक्का लगा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में गिरावट और वित्तीय संकष्टों के बढ़ते दबाव के बीच कंपनी का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है। निवेशकों और ग्राहकों की उम्मीदें कंपनी पर बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीमः अच्छा निवेश विकल्प

- ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

आजकल निवेश करने वाले लोग बेहद सावधानी से अपनी धनराशि लगाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। इस संदेश को ध्यान में रखते हुए, सरकारी पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक अच्छा निवेश विकल्प प्रस्तुत करती है। यह स्कीम विभिन्न आयु समूहों के लिए रुचिकर ब्याज दर के साथ आता है। एनएससी स्कीम में निवेश करने वालों को मिलने वाला 7.7 फीसदी का ब्याज न केवल उनके पैसे को दोगुना करता है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत निवेश की रकम पर टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है। इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 5 वर्ष का होता है, जो निवेशकों के लिए एक सावधानीपूर्ण समयावधि प्रदान करता है। इस सेविंग्स स्कीम में छोटे बच्चों के नाम से भी अकाउंट ओपन कराने की सुविधा दी गई है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित रहे। निवेशकों को सरकार द्वारा दी गई गारंटी के साथ निवेश करने का मौका मिलता है। इस स्कीम के तहत ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेशकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान से आसानी से निवेश करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक सुरक्षित, लाभकारी और आसान निवेश विकल्प प्रदान करती है जो निवेशकों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

टाटा मोटर्स ने सऊदी अरब में लॉन्च किया पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन

दम्माम।

टाटा मोटर्स ने सऊदी अरब में अपना पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) ट्रक, टाटा प्राइमा 4440.एस एएमटी लॉन्च करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने दम्माम में हैवी इक्विपमेंट एंड ट्रक्स (एचईएटी) शो में अपने पांच हाई-परफॉरमेंस प्रोडक्ट प्रदर्शित किए जिन्हें देश की जरूरत के अनुरूप डिजाइन किया गया है और जो अलग-अलग तरह के एप्लीकेशन को पूरा करते हैं।

टाटा मोटर्स के एचईएटी शो पवेलियन के दौरान टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के हेड ने कहा कि सऊदी अरब टाटा मोटर्स के लिए एक खास और अहम क्षेत्र है। सऊदी अरब तेजी से बदलाव के दौर में है, इसलिए हम अपने एडवांस सॉल्यूशन के साथ इसकी उभरती गतिशीलता जरुरतों को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, विश्वसनीयता और ग्राहक लाभप्रदता पर मजबूत फोकस के साथ, हमें सऊदी अरब में अपना पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन ट्रक लॉन्च करने पर गर्व है।

टाटा मोटर्स के ट्रकों की रेंज व्यापक सेवाओं से पूरी की जाती है, जो इसके ऑफिशियल डिस्ट्रीब्यूटर मोहम्मद यूसुफ नागी मोटर्स कंपनी के साथ साझेदारी में प्रदान की जाती है। प्राइमा 4440.एस एएमटी कैरियर, हेवी इक्विप्मेंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए उपयुक्त है। कंपनी के मुताबिक फ्यूल सेविंग और ड्यूरेबल ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन के साथ यह ट्रक बहुत से स्मार्ट फीचर्स जैसे लोड-बेस्ड स्पीड कंट्रोल सिस्टम, सिस्टम डाउन प्रोटेक्शन सिस्टम और बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी के लिए ऑटो स्टार्ट-स्टॉप सिस्टम से लैस है। इसमें यूरो-वी कम्प्लाइंट 8.9-लीटर कमिंस इंजन है जो 400 बीएचपी और 1,700 एनएम का टॉर्क पैदा करता है ताकि यह तय हो सके कि सबसे भारी लोड, सबसे कठिन इलाकों और सबसे खड़ी ढलानों को संभालने के लिए पर्याप्त हो।

बयान में कहा गया कि न्यूमेटिकली सस्पेंडेड सीट और टिल्ट-एंड-टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग व्हील वाला आधुनिक केबिन, ड्राइवर के आराम और सुविधा को बढ़ाता है, जिससे उत्पादकता में बढ़ोतरी होती है। टाटा मोटर्स 40 से ज्यादा देशों में एक वाइड कमर्शियल व्हीकल पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें 1 टन से लेकर 60 टन तक के कार्गो वाहन और 9-सीटर से लेकर 71-सीटर मास मोबिलिटी सॉल्यूशन शामिल हैं। टाटा मोटर्स की एडवांस आरएंडडी क्षमताओं द्वारा समर्थित, इन वाहनों को स्थानीय बाजार की जरुरतों के अनुरूप मजबूती से इसका निर्माण किया गया है।

यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकारण की दर में 0.8 प्रतिशत की कमीः एनपीसीआई

कम राशि वाले लेनदेन को यूपीआई लाइट में स्थानांतरित करने पर विचार

मुंबई । नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकरण की दर अब घटकर 0.8 प्रतिशत तक रह गई है। उन्होंने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि तकनीकी अस्वीकरण की दर 2016 में 8-10 प्रतिशत से घटकर अब 0.7-0.8 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने अद्वितीय उपयोगकर्ताओं की संख्या को भी 40 करोड़ बताया। इसके साथ ही एनपीसीआई विचार कर रहा है कि कम राशि वाले लेनदेन को यूपीआई लाइट में स्थानांतरित करके सर्वर पर दबाव कम किया जा सके। इस बढ़ते उपयोगकर्ता संख्या और तकनीकी सुधार के साथ, यूपीआई मंच की प्रभावीता में सकारात्मक बदलाव देखने की संभावना है।

सोने की कीमतों में तेजी का रुझानद्व रिपोर्ट

- दिसंबर 2025 तक एक औंस सोने की कीमत पहुंच सकती है 3,000 डॉलर तक

नई दिल्ली। भारत में शादी का सीजन चल रहा है, और सोने-चांदी के बाजार में रौनक देखी जा रही है। 18 और 19 नवंबर को सुनहरे वस्त्रों के बीच सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई थी, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने लोगों के ध्यान को आकर्षित किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कीमतों में बड़ी तेजी आने की संभावना है। इसके अनुसार केंद्रीय बैंकों की सोने में बढ़ी हुई खरीदारी और अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती के कारण सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकती हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2025 तक एक औंस सोने की कीमत 3,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुता बिक ट्रम्प प्रशासन और बढ़ती व्यापारिक टेंशन के कारण भी सोने की कीमतों में इजाफा हो सकता है। अमेरिकी वित्तीय स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताएं भी सोने की कीमतों को समर्थन दे सकती हैं। भारत में भी सोने की कीमतों में बदलाव देखा गया है। नोएडा में 19 नवंबर को 22 कैरेट सोने की कीमत 7,095 रुपए प्रति ग्राम थी, जो 20 नवंबर को बढ़कर 7,165 रुपए हो गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत भी 7,450 रुपए से बढ़कर 7,523 रुपए प्रति ग्राम हो गई है। इस रिपोर्ट ने सोने खरीदने वालों को सोचने पर मजबूर कर दिया है, जिसके चलते उलझन और चिंताएं उभर रही हैं।

मारुति ब्रेजा ने की 16,565 यूनिट्स की बिक्री, ब्रेजा और फ्रोंक्स का दबदबा

नई दिल्ली ।

बीते महीने अक्टूबर 2024 के आंकड़ों के अनुसार, देश में सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मारुति सुजुकी का दबदबा रहा। मारुति ब्रेजा ने 16,565 यूनिट्स की बिक्री के साथ पहला स्थान हासिल किया। यह आंकड़ा पिछले साल के 16,050 यूनिट्स से 3.21प्रतिशत अधिक है। वहीं, मारुति फ्रोंक्स ने 44.57प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 16,419 यूनिट्स बेचीं। अन्य प्रमुख मॉडल्स के प्रदर्शन की बात करें तो टाटा पंच 15,740 यूनिट्स (2.76प्रतिशत वृद्धि), टाटा नेक्सन 14,759 यूनिट्स (12.6प्रतिशत गिरावट), हुंडई वेन्यू 10,901 यूनिट्स (5.87प्रतिशत गिरावट), किआ सोनेट 9,699 यूनिट्स (49.38प्रतिशत वृद्धि) और महिंद्रा एक्सयूवी 300 4,865 यूनिट्स (96.55प्रतिशत वृद्धि)। हुंडई एक्सटर और निसान मैग्नाइट ने क्रमशः 7,127 और 3,119 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि टोयोटा टैसर ने 3,092 यूनिट्स बेचीं। हालांकि, मारुति जिम्नी और रेनो काइगर की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। एसयूवी सेगमेंट का बाजार में हिस्सा अब 50 प्रतिशत से ऊपर हो गया है। फ्रोंक्स और ब्रेजा जैसी गाड़ियों के साथ मारुति ने इस सेगमेंट में अपनी मजबूती दिखाई है। बेहतर फीचर्स और किफायती कीमत के चलते ये मॉडल्स बाजार में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। बेहतर स्पेस और ग्राउंड क्लीयरेंस के चलते ग्राहक इन्हें हैचबैक गाड़ियों पर प्राथमिकता दे रहे हैं। मारुति सुजुकी के मॉडल्स ने अपनी विश्वसनीयता और परफॉर्मेंस से ग्राहकों को आकर्षित किया है।

ट्रम्प प्रशासन का दबाव कम करने भारत से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा चीनः अघी

- चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में शुल्कों में कमी करने का सुझाव दिया गया था

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच सामरिक और राजनितिक एकीकरण की महत्वपूर्ण घटना हुई है जो अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुई है। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजे के बाद अमेरिका चीन के दबाव को कम करने के लिए भारत के साथ समर्थन की ओर ध्यान देने के लिए कोशिश कर रहा है। अमेरिका में हाल ही में पुनरावृत्ति संपन्न हुई और जो उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया है, उन्होंने चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में शुल्कों में कमी करने का सुझाव दिया था। अघी ने कहा कि ट्रम्प की जीत ने भारत-चीन संबंधों पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है। इस संबंध में अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति ने भी चीन के साथ अधिक सख्ती बनाने की सिफारिश की है। चीन के साथ सामान्य व्यापारिक रिश्तों को समाप्त करने की मांग की गई है। इससे पहले भारत ने पिछले महीने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के मामले में समझौता किया और सैन्य गतिरोध को समाप्त करने का आह्वान किया था। इस नए परिवर्तन के साथ अमेरिका-चीन संबंधों की समीक्षा और जलवायु में परिवर्तन की संभावना है जिससे व्यापार युद्ध के आसार हैं। यह एक महत्वपूर्ण समय है जहां भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग की जरूरत है।

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 94 हजार डॉलर के पार पहुंची कीमत

- बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर

वाशिंगटन ।

आधुनिक वित्तीय दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी के क्षेत्र में बिटकॉइन ने एक बार फिर से अपनी ताकत दिखाते हुए नई ऊंचाई को छू लिया है। बिटकॉइन की कीमत 94,000 डॉलर के पार पहुंच गई है, जो एक रिकॉर्ड है। इस बड़ी बढ़त के पीछे बितकॉइन के प्रमुख समर्थक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के मालिक एलन मस्क का समर्थन माना जा रहा है। कंपनी क्राइन डेस्क के आंकड़ों के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत ने 94,038.97 डॉलर के स्तर तक पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया। पिछले हफ्ते में बिटकॉइन में 2 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली, जबकि पिछले महीने में इसने 33 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया। वर्तमान में बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एलन मस्क की पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी डॉगकॉइन की भी कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्तमान में डॉगकॉइन की कीमत 0.38 डॉलर हो गई है, जो पिछले हफ्ते में 1.30 फीसदी तक बढ़ गई है। ट्रंप की जीत के बाद डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 175 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि पिछले एक साल में इसने 400 फीसदी से ज्यादा की कमाई दी है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट ने भी नई ऊंचाई छू ली है और अब यह 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि पिछले 24 घंटे में गिरावट आई है, लेकिन कुल मार्केट कैप में 5 नवंबर के बाद से 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है।

'श्रीमद् रामायण' में हनुमान को पता चलता है कि लव और कुश श्री राम और सीता के ही पुत्र हैं

मुंबई : सोनी सब के श्रीमद् रामायण में कहानी में एक शक्तिशाली क्षण बनता है। आने वाले एपिसोड में शत्रुघ्न की हार की खबर अयोध्या तक पहुँचती है, जिससे श्री राम के लिए चिंता पैदा होती है। लक्ष्मण और भगवान हनुमान उनकी हार की जाँच शुरू करते हैं। वह भी इस साहसिक कार्य के पीछे रहे युवा योद्धाओं के बारे में जानने को उत्सुक हो जाते हैं। पहले उनके इरादों को समझने की श्री राम की सलाह का पालन करते हुए भगवान हनुमान बच्चों का पता लगाते हैं। उन्हें पता चलता है कि वे लव और कुश हैं। वह उनके पीछे उनके आश्रम तक जाते हैं। वहां पता चलता है कि वे श्री राम और सीता के पुत्र हैं। हनुमान जी तब सीता से पूछते हैं कि क्या उन्हें श्री राम को इसके बारे में बताना चाहिए? निर्भय वाधवा ने कहा, ₹इस दृश्य को निभाना मेरे लिए एक बहुत ही भावुक क्षण था। यह दृश्य भाग्य की सुंदरता और पारिवारिक संबंधों की ताकत को दशार्ता है, और मैं दर्शकों के लिए इस पल को जीवंत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

गोदरेज ने कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया

परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड एक भारतीय रियल एस्टेट कंपनी ने अपनी नवीनतम परियोजना के लिए कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। यह भूमि कोलकाता के जोका में स्थित है और इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगी। कंपनी ने इस समाचार को शेयर बाजार में जारी हुए एक वक्तव्य के माध्यम से जानकारी दी कि इस परियोजना में 13 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र का विकास किया जा सकता है। मुख्य रूप से आवासीय प्लॉट के विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपये है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया` कि यह भूमि हमारी उपस्थिति को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य एक उत्कृष्ट प्लॉट विकास परियोजना के निर्माण में समर्पित है। यह अधिग्रहण कंपनी के विकास के कल्पना को मजबूती देगा और क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को मजबूत करेगा।

सुलगते-दहकते मणिपुर का जिम्मेदार कौन?

मनोज कुमार अग्रवाल

अब जब यह हिंसा खत्म नहीं हो रही तो लोगों ने गुस्से में भाजपा विधायकों, मंत्रियों तथा मुख्यमंत्री तक के घरों पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उन्होंने वहां के कांग्रेस नेताओं को भी नहीं बख्शा। बात अकेले मणिपुर की नहीं है, बात देश के इस पूरे उत्तर- पूर्वी क्षेत्र की है, जहां पहले ही लगातार गड़बड़ होने के समाचार मिलते रहते हैं। लोग बड़े स्तर पर बंटे हुए दिखाई देते हैं, यहां की निरंतर बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए कोई बड़े यत्न नहीं किए गए।

मणिपुर भारत का सबसे खूबसूरत प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर उत्तर पूर्वी राज्य है, जिसमें लगभग पिछले डेढ़ वर्ष से हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। हिंसा की यह आग मई, 2023 में शुरू हुई थी, जब वहां की हाईकोर्ट ने बहुसंख्यक मैतई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा देने का फैसला सुनाया था, इससे वहां के पहाड़ों में रहने वाले कुकी समुदाय के लोगों में डर पैदा हो गया कि उनकी जमीनें और अधिकार बड़े स्तर पर कम हो जाएंगे। उत्तर पूर्व के छोटे-छोटे राज्य अशांत रहते हैं। इन सभी राज्यों के अलगाववादी हथियारबंद होकर दशकों से यहां चुनौती पेश करते आ रहे हैं। मणिपुर में बहुसंख्यक मैतई हिन्दू समुदाय के साथ और कुकी बड़ी हद तक ईसाई समुदाय से संबंधित हैं। यहां भाजपा की सरकार है। एन. बिरेन सिंह यहां के मुख्यमंत्री हैं। 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं, जिनमें से 7 विधायक कुकी समुदाय के साथ भी संबंध रखते हैं। डेढ़ वर्ष से यहां बनी गृह युद्ध की स्थिति में अब तक 300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। बड़े स्तर पर घरों और जायदादों को आग लगाई जा चुकी है। यह दोनों समुदाय एक दूसरे के कट्टर विरोधी ही नहीं, बल्कि दुश्मन बने नजर आते हैं। इसलिए अपने-अपने गांवों में इन्होंने अपने पहरे लगा रखे हैं। हथियारबंद लोग एक- दूसरे समुदाय पर हमले करते हैं।

मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की आग में जल रहा है। यहां उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद जिरीबाम में 6 लोगों के अपहरण और उनकी लाश मिलने के बाद से भीड़ हिंसक हो गई है। कई मंत्रियों के घरों पर हमले हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने सीएम के घर पर भी हमला करने की कोशिश की थी। कुकी उग्रवादियों की ओर से एक ही परिवार के 6 लोगों की नृशंस हत्या के बाद नाराज मैतेई समुदाय के लोग सड़क पर उतर आए हैं। वे लगातार हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुकी समुदाय 11 नवंबर की मुठभेड़ को फर्जी बता रहा है। इन लोगों का कहना है कि वह उनके शवों का अंतिम संस्कार पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही करेंगे। कुकी समुदाय का कहना है कि उन्हें शक है कि सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़कर मारा है।

ताजा जानकारी के अनुसार हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा जिरीबाम में एक महिला की हत्या की गई। इस संबंध में 8 नवंबर को जिरीबाम स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। सशस्त्र उग्रवादियों ने जिरीबाम के जाकुरधोर करोंग और बोरोबेकरा पुलिस स्टेशनों पर मौजूद सीआरपीएफ चौकी पर हमला किया। इस सिलसिले में 11 नवंबर को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। बोरोबेकरा में घरों को जलाने और नागरिकों की हत्या का मामला सामने आया। इस संबंध में 11 नवंबर को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। 11 नवंबर को, मणिपुर पुलिस ने कहा कि बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और जिरीबाम के जकुरधोर में सीआरपीएफ कैंप पर छद्म वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी के बाद सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में 10 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। पुलिस के अनुसार, कुछ घंटों बाद संदिग्ध उग्रवादियों ने उसी जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों का कथित तौर पर अपहरण कर लिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि मणिपुर में तैनात सभी सुरक्षा बलों को राज्य में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

पिछले साल मई से जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर में महिलाओं और बच्चों के शव बरामद होने के बाद विरोध प्रदर्शन और हिंसा के कारण स्थिति अस्थिर हो गई है। गुस्साई भीड़ ने इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में तीन भाजपा विधायकों और एक कांग्रेस विधायक के घरों में आग लगा दी जबकि सुरक्षा बलों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर धावा बोलने की प्रदर्शनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया। मणिपुर में स्थिति को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने सीएपीएफ की 50 और कंपनियां भेजने का फैसला किया है। इस तरह अब राज्य में सीएपीएफ की 268 कंपनियां तैनात हो जाएंगी। इनमें पांच हजार जवानों की संख्या और बढ़ जाएगी। इस तरह, राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों में जवानों की तैनाती की संख्या 26,800 हो जाएगी। इन 50 कंपनियों में सबसे बड़ी संख्या सीआरपीएफ की कंपनियों की होगी, जबकि बाकी कंपनियां बीएसएफ और अन्य सुरक्षाबलों की होंगी। जो अतिरिक्त 50 कंपनी यहां जाएगी उनमें अतिरिक्त 6500 अर्धसैनिक बल होंगे। यहां पहले से ही 40,000 केंद्रीय बल मौजूद हैं।

इसी बीच एक शरणार्थी कैंप में से कुछ व्यक्तियों के अपहरण और हत्या के बाद हिंसा के हालात और भी तेज हो गये। यहां तक कि दोनों समुदायों ने चर्चों और मंदिरों में भी तोड़ फोड़ की और उनको आग भी लगाई। मणिपुर में सरकार बुरी तरह फेल हो चुकी है। इस घटनाक्रम की कुछ हैरान करने वाली बातें हैं। जब ये दंगे भड़के थे तथा ऐसा गृह-युद्ध शुरू हुआ था तो इन्हें न सम्भाल सकने की ज़िम्मेदारी मुख्यमंत्री बिरेन सिंह पर डाली गई थी। तब ये समाचार भी आने लगे थे कि स्थिति को अच्छी तरह न सम्भाल सकने तथा इस सीमा तक बिगड़ने देने के कारण मुख्यमंत्री से इस्तीफा ले लिया जाएगा, परन्तु अब वहां खतरनाक हालात पैदा हो जाने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया जाना बड़ी हैरानी की बात यह है।

अब जब यह हिंसा खत्म नहीं हो रही तो लोगों ने गुस्से में भाजपा विधायकों, मंत्रियों तथा मुख्यमंत्री तक के घरों पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उन्होंने वहां के कांग्रेस नेताओं को भी नहीं बख्शा। बात अकेले मणिपुर की नहीं है, बात देश के इस पूरे उत्तर- पूर्वी क्षेत्र की है, जहां पहले ही लगातार गड़बड़ होने के समाचार मिलते रहते हैं। लोग बड़े स्तर पर बंटे हुए दिखाई देते हैं, यहां की निरंतर बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए कोई बड़े यत्न नहीं किए गए। मणिपुर एक छोटा राज्य है, परन्तु इसकी अशांत स्थिति का प्रभाव समूचे देश पर पड़ने से इन्कार नहीं किया जा सकता। राजनीतिक तौर पर मणिपुर में भाजपा की सहयोगी नैशनल पीपुल्स पार्टी ने इससे नाता तोड़ने की घोषणा कर दी है। कुकी समुदाय के भी 7 विधायक भाजपा से संबंधित हैं, परन्तु इसके बावजूद अभी यहां की सरकार के टूटने का कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा, परन्तु सरकार टूटने से भी बड़ा मामला भाईचारा बनाए रखने और शांति स्थापित करने का है, जिसका प्रभाव किसी न किसी रूप में समूचे देश पर पड़ेगा। माहौल को सम्भालने तथा एकसुर करने की ज़िम्मेदारी इस समय भाजपा और केंद्र सरकार की है। विशेष रुप से सरकार को मणिपुर संबंधी अपनी नीतियों पर पुनः सोचने तथा हालात को सुधारने के लिए तेजी से काम करने की जरूरत होगी।

संपादकीय

भारत के सिद्धांतों का विस्तार

ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए जी-20 के दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने बहुत सी उम्मीदें संजोई थीं, लेकिन दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं और चुनौतियों के समाधान में सम्मेलन को बहुत अधिक सफलता नहीं मिली। यूक्रेन संघर्ष और गाजा त्रासदी पूरी मानवता के लिएचिंता का विषय बने हुए हैं। सम्मेलन के बाद संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ जिसमें युद्धरत गाजा के लिए अधिक सहायता और पश्चिम एशिया एवं यूक्रेन में शत्रुता समाप्त करने का आह्वान किया गया है। आशा बंधी थी कि दुनिया के नेता कूटनीति और वार्ता के जरिए गाजा और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में सफल होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि पिछले दो वर्षों के दौरान परस्पर विरोधी मतभेद इतने बढ़ गए हैं कि बीच का कोई रास्ता खोजने की संभावना बहुत कम हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का जी-20 का आदर्श वाक्य (थीम) 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' उतना ही प्रासंगिक है, जितना पिछले साल था। लेकिन हकीकत यह है कि धरती बंटी है, परिवार में कलह है, और महत्त्वाकांक्षा के कारण समान भविष्य को नजरंदाज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान के सबसे ज्वलंत मुद्दे को उठाते हुए कहा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से ग्लोबल साउथ के विकासशील और अर्धविकसित देश सबसे अधिक प्रभावित हैं। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के नेता युद्ध रोकने की बजाय हथियारों की आपूर्ति करने में लगे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ड्रोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन संघर्ष को रोकने के पक्ष में हैं, लेकिन पश्चिम एशिया में इस्राइल को अधिक समर्थन देने तथा चीन के खिलाफ सख्त आर्थिक और सैनिक रवैया अपनाने के समर्थक हैं। ऐसे में संयुक्त वक्तव्य में युद्धसमाप्त करने का आह्वान मात्र औपचारिकता है। शिखर सम्मेलन की शुरूआत में ब्राजील के राष्ट्रपति लूईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने भूख और गरीबी से लड़ने के अभियान का आह्वान किया। इस अभियान को पहले ही करीब 80 देशों का समर्थन हासिल हो चुका है। जाहिर है कि सम्मेलन की यह एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इस अभियान का बीज भारत ने पिछले साल जी-20 की अध्यक्षता करते हुए रोपा था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा के लिए अपनाए गए सिद्धांतों का विस्तार बताया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

अडानी पर लटकती तलबार और दागदार होती सरकार

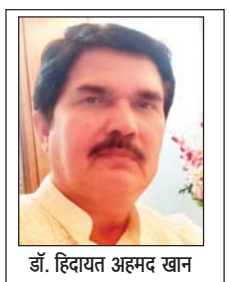

डॉ. हिदायत अहमद खान

एक तरफ विश्वगुरु बनने की दहलीज पर खड़े भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना में सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ अडानी मामले ने देश की नाक कटाने जैसा संदेश दे दिया है। इसकी जांच और हकीकत जल्द से जल्द सामने आना चाहिए, क्योंकि इस पूरे मामले में देशवासियों के विश्वास का मामला भी जुड़ता है। दरअसल भारत के मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका की कोर्ट ने इस मामले में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया है, जिसे लेकर विपक्ष पीएम मोदी पर सीधे हमलावर है। इस मामले में गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी को लेकर अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई है। खास बात यह है कि मामला जैसे ही उजागर हुआ अडानी समूह ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। इस मामले का असर भारत के शेयर बाजार में गुरुवार को देखने को मिला, जबकि मार्केट में भारी गिरावट दर्ज की गई। यही नहीं अमेरिकी अदालत की तरफ से रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी अडानी समूह की कंपनियों से सफाई मांगी है।

इससे पहले अडानी मामले को लेकर जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसके मुताबिक अडानी समूह ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग में दर्ज मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने करीब 265 मिलियन डॉलर भारतीय रुपये में करीब 2237 करोड़ की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि कॉन्ट्रैक्ट मिलने से दो दशक में करीब 2 बिलियन डॉलर यानी करीब 16882 करोड़ रुपये का मुनाफा मिल जाएगा। अब इस मामले को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने तो अडानी के बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर ही सीधे निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि जब इस मामले की जांच शुरू हुई तो इसे रोकने की साजिश भी रची गई। कांग्रेस का कहना है कि यह अजीब बात है कि कांग्रेस लगातार अडानी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पूरी ताकत से अडानी को बचाने में लगे हुए हैं। इसकी वजह भी साफ है कि अडानी की जांच होगी तो हर कड़ी पीएम मोदी से जुड़ती हुई दिखाई देगी।

इस मामले में सबसे बड़ा हमला कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह कहते हुए किया है कि देश में मुख्यमंत्री को तो जेल भेजा जा रहा है, लेकिन अडानी का कुछ नहीं हो रहा है। क्योंकि ये बिजनेसमैन पीएम मोदी का पूरा समर्थन करते हैं। इसलिए पीएम मोदी भी लगातार इन्हें बचा रहे हैं। इसी के साथ राहुल गांधी ने मांग करते हुए कहा है कि अडानी को गिरफ्तार किया जाए, लेकिन वो जानते हैं कि उन्हें अरेस्ट नहीं किया जाएगा। इसी के साथ पीएम मोदी को अडानी के कंट्रोल में होने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया और कहा कि इस मुद्दे को वो संसद में उठाएंगे। इसी के साथ जिस भी राज्य सरकारों का अडानी ग्रुप के साथ समझौता हुआ है, उसकी जांच भी होनी चाहिए। राहुल गांधी ने इस मामले में जेपीसी से जांच कराए जाने की भी मांग की है। बहरहाल राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार की बात हम नहीं कर रहे, बल्कि ये अमेरिकी एजेंसी ने अपनी जांच में बातें कही हैं। अब जो भी दोषी पाया जाता है, उसे सजा मिलनी ही चाहिए।

देश और दुनिया के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी मामले ने सत्ता पक्ष को बिचलित करने जैसा काम कर दिया है, वहीं विपक्ष को मानों संजीवनी मिल गई है। कांग्रेस नेता तो सीधे अडानी के खिलाफ जारी वारंट का जिक्र कर पीएम मोदी को घेरने में लगे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पहले से ही केंद्र सरकार और अडानी में गहरी सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं, जिसका समय रहते माकूल जवाब भी नहीं दिया गया। अब कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने भी पलटवार करना शुरू कर दिया है। बीजेपी नेताओं का इस मामले में कहना है कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अनावश्यक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो सभी जानते हैं कि अब ऐसे समय में जबकि अमेरिका से लेकर भारत तक अडानी मामले ने राजनीति को मथ कर रख दिया है, कोई क्योंकर इसका बारीकी से अध्ययन करने की जेहमत करेगा। यह भी सभी मान रहे हैं कि अडानी समूह के साथ सरकारों ने जो दोस्ताना व्यवहार किया वह उद्योगजगत के अन्य टिमटिमाते सितारों के साथ तो कतई नहीं किया गया है। अब सभी को इस मामले की सच्चाई सामने आने का इंतजार है, जिसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। तब तक अडानी की गरदन पर कार्रवाई की तलवार लटकती रहेगी और हमारी सरकार को दागदार कह घेरने का जिम्मा विपक्ष बदस्तूर निभाता रहेगा।

रोजगार : बदलना होगा नजरिया

प्रह्लाद सबनानी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य शमिका रवि के हालिया रिसर्च पेपर में कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के संबंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथसाथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं। यह भी कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी, दो अलग-अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18-59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं, जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72-73 प्रतिशत के बीच रही है। बांग्लादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है परंतु भारत में 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है, जो रोजगार तलाश रहे हैं, लेकिन रोजगार मिल नहीं रहा। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा-बहुत परिवर्तन होता रहता है परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं, तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर 0.9-1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है।

आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए देश में रोजगार के नये अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकतीं। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं। आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर जो भी रोजगार अवसर मिलता है, उसे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल के समय में अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं।

आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रियां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लंबा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े-लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कंपनियों को शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी है। तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में तथ्य उभर कर आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरूआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं, उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोड़कर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारंभ करने के प्रयास भी करने चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

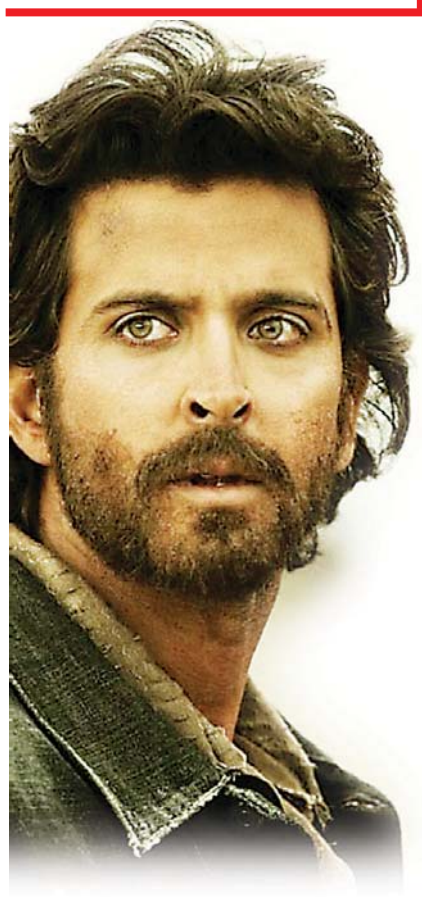

कृष 4 से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन

फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने अपने निर्माता के किरदार पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की है कि वे निर्देशन से रिटायरमेंट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे कृष 4 को प्रोड्यूस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रोडक्शन हाउस से अपने बेटे की फिल्म बनाने वाले हैं।

क्रिश 4 लेकर आ रहे हैं राकेश रोशन

राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि वे कभी निर्देशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही कृष 4 को लेकर घोषणा करेंगे। बता दें कि राकेश रोशन ने ऋतिक रोशन की फिल्म बैंग बैंग, वॉर और फाइटर को भी प्रोड्यूस किया है। उन्होंने कहा, कृष जल्द ही वापस आ रहा है।

क्रिश के पिछले पार्ट को भी पसंद करते हैं प्रशंसक

राकेश रोशन ने 2003 में साइंस-फिक्शन फिल्म कोई मिल गया के साथ इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी। उन्होंने 2006 में कृष के साथ इसे सुपरहीरो सीरीज में विस्तारित किया, इसके बाद 2013 में कृष 3 बनाई। ऋतिक रोशन ने पूरी सीरीज में रोहित और उनके बेटे कृष्णा, जिन्हें कृष के नाम से भी जाना जाता है, दोनों की भूमिका निभाई।

फाइटर बने ऋतिक रोशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन को उनकी हालिया फिल्म फाइटर में देखा जा चुका है। इस फिल्म में उन्हें अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। पिछले साल हुई कृष 4 की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी नोरा फतेही

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने एक बार फिर अपने नवीनतम सहयोग से सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार प्रतिष्ठित रैपर यो यो हनी सिंह के साथ, नोरा उनके आगामी संगीत वीडियो पायल में उनके बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी से अभिनय करेंगी। सोशल मीडिया पर नोरा ने म्यूजिक वीडियो का टीज़र पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। एल्बम ग्लोरी से पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो जिसे यो यो हनी सिंघ द्वारा गाया है एवं फीचर नोरा फतेही है और इसे पाराडोक्स पर कल जारी किया गया। इससे पहले, हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की एक रील साझा की थी, जिसमें खुलासा किया था कि उन्होंने संगीत वीडियो को -3 डिग्री सेल्सियस तापमान में फिल्माया है। नोरा के समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उन्हें महान और बहुत मेहनती बताया। नोरा हर नए प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करना जारी रख रही हैं, एक अभिनेत्री, डांसर और गायिका के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, जिससे एक ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत होती है। अब, जैसा कि टीज़र में देखा गया है, नोरा के शानदार डांस मूव्स दृश्यों को खूबसूरत बना रहे हैं, संगीत वीडियो उत्साह बढ़ाने के लिए तैयार है, जो प्रशंसकों के लिए एक शानदार उपहार होने का वादा करता है। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के साथ नोरा ने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय सनसनी के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है। वह वर्तमान में अपनी पहली तेलुगु फिल्म मटका की शानदार प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। हाल ही में, उन्होंने पेरिस फैशन वीक 2024 में भी ब्रांड के सिग्नेचर डिजाइनों में लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन करते हुए तहलका मचा दिया। अपनी उल्लेखनीय श्रृंखला को जोड़ते हुए, नोरा अंतर्राष्ट्रीय कलाकार जेसन डेरुलो के साथ एक और संगीत वीडियो की रिलीज़ के लिए भी तैयारी कर रही है।

क्या अहसास चन्ना और तारुक रैना डेट कर रहे हैं?

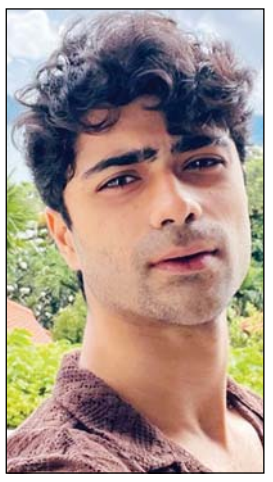

के एक्टर अहसास चन्ना और तारुक रैना, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के दो बेहतरीन स्टार्स हैं, जिनके बारे में अफवाह है कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में, अहसास चन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने को-स्टार तारुक रैना के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में एक ऑरेंज हार्ट बना हुआ है। आप को बता दें मिसमैच्ड के तीसरे सीजन में साथ नज़र आएंगे , लेकिन अहसास चन्ना और तारुक रैना के प्रशंसक खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक पाए। जैसे ही अहसास ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की, उनके प्रशंसक तुरंत ही कमेंट सेक्शन में अपनी विचार शेयर करना शुरू कर दिया । एक कमेंट में लिखा था, सबसे प्यारे, जबकि दूसरे में लिखा था, करो ना ऑफिशियल प्लीज। एक और कमेंट में लिखा था, आप दोनों साथ में कमाल के लग रहे हैं। जहाँ कई यूज़र्स ने दोनों की तारीफ़ की, वहीं कई ने दिल और बुरी नज़र वाले इमोजी बनाए। अहसास चन्ना और तारुक रैना ने खुद को डिजिटल स्पेस में इस्टेब्लिश कर लिया है, और उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उनकी डेटिंग की अफ़वाहें पब्लिक फिगर के रूप में उनके आकर्षण को और बढ़ाती हैं। जहाँ अहसास ने टेलीविज़न और डिजिटल डोमेन में खुद के लिए जगह बनाई है, वहीं तारुक कई वेब शो का हिस्सा रहे हैं। इस बीच, मिसमैच्ड में उनके सहयोग की लोगों के बीच बहुत चर्चा हुई, जिससे वे सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली ऑन-स्क्रीन जोड़ी बन गए। अब, अहसास और तारुक मिसमैच्ड के तीसरे सीज़न के साथ लोगों को खुश करने के लिए तैयार हैं। प्राजक्ता कोली और रोहित सराफ अभिनीत मिसमैच्ड 3 जल्द ही स्ट्रीम होने वाली है।

पांचवीं बार निर्देशन की कमान संभालेंगे अजय देवगन

अजय देवगन और अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन सिनेमाघरों मे लगी हुई है। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम और अक्षय ने वीर सूर्यवंशी की भूमिका निभाई है। कॉप ड्रामा फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन चिंताजनक है। यह अब तक अपना बजट भी नहीं निकाल सकी है। वहीं, अजय और अक्षय एक नई फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार वे सह-कलाकार के रूप में काम नहीं करेंगे। ट्विस्ट यह है कि अजय इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जिसमें अक्षय मुख्य भूमिका में होंगे। एक हालिया मीडिया इवेंट में अजय देवगन ने अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। जब अभिनेता से उनके अगले सहयोग के बारे में पूछा गया, तो अजय ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी हम बाद में घोषणा करने वाले थे लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मंच है। हम पहले से ही एक साथ एक फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हूं और अक्षय इसमें मुख्य कलाकार हैं।

अक्षय कुमार को निर्देशित करेंगे अजय

अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर अजय ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में जल्द ही बात करेंगे। अजय देवगन निर्देशित इस फिल्म के बारे में अधिक जानना दिलचस्प होगा, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन से पहले अजय देवगन और अक्षय कुमार ने सूर्यवंशी, सुहाग और खाकी जैसी फिल्में कीं।

अजय देवगन के निर्देशन में बनीं फिल्में

एक निर्देशक के रूप में यह अजय देवगन की पांचवीं फिल्म होगी। अजय ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत साल 2008 की फिल्म आई यू मी और हम से की। इसमें अभिनेता अपनी रियल लाइफ पत्नी काजोल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में शिवाय फिल्म का निर्देशन किया, जो एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। इस मूवी में भी अजय मुख्य किरदार में दिखाई दिए। 2012 में उन्होंने रनवे 34 के निर्देशक की कमान संभाली। इस फिल्म में अजय और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आए। अजय की बतौर निर्देशक आखिरी फिल्म साल 2023 की भोला रही, जिसमें उन्हें तब्बू के साथ देखा गया।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है। उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया। काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी। रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

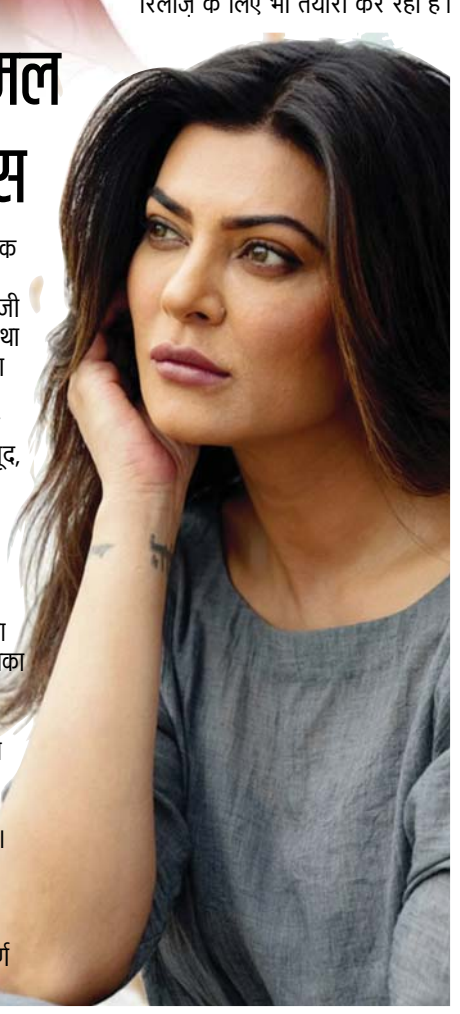

मालिक की शूटिंग पूरी, फिल्म के लिए राजकुमार राव ने किए शारीरिक बदलाव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के पास कतार में कई फिल्में हैं। उन्होंने स्त्री 2 की सफलता का जश्न मनाने के बाद विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय किया। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इस बीच अब राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म मालिक की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी आगामी फिल्म मालिक की शूटिंग पूरी कर ली है। पुलकित द्वारा निर्देशित यह फिल्म राव की पहली पूर्ण एक्शन फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन डायरेक्टर विक्रम दहिया की देखरेख में राजकुमार ने अपनी फिट बॉडी बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म का निर्माण अगस्त के अंत में लखनऊ में शुरू हुआ और इसके बाद पूरे उत्तर प्रदेश में तीन महीने तक इसका निर्माण चला। मालिक की प्रोडक्शन टीम ने लखनऊ, वाराणसी और उन्नाव में शूटिंग की। उन्होंने ब्रह्मावर्त घाट पर भव्य दिवाली उत्सव का दृश्य फिल्माया, जहां हजारों दीये जलाए गए। कानपुर में फिल्म की शूटिंग का आखिरी चरण मुख्य किरदार की शादी के दृश्य के साथ पूरा हुआ। यहीं पर तीन दिन पहले मालिक की शूटिंग खत्म हुई थी।

फिल्म में राजकुमार राव का किरदार

मालिक में राजकुमार राव दो अलग-अलग लुक में नजर आएंगे- एक क्लीन-शेव्ड और दूसरा रफ-टफ, दाढ़ी वाला। उनका किरदार धीरे-धीरे एक बदमाश से गैंगस्टर में बदल जाता है। अभिनेता ने कुछ एक्शन दृश्यों की शूटिंग की है, जिनमें हथियारों के साथ-साथ हाथापाई भी शामिल है। बंगाली सुपरस्टार प्रसेनजीत चटर्जी फिल्म में राव के गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मालिक में राव के साथ मानुषी छिल्लर भी हैं। 2017 में ऐतिहासिक ड्रामा बोस-डेड/अलाइव की सफलता के बाद निर्देशक पुलकित के साथ अभिनेता की यह दूसरी परियोजना है। हालांकि, उनकी पिछली परियोजना एक अलग शैली की थी, लेकिन मालिक एक बड़े पैमाने की कहानी और फिल्म होने का दावा कर रही है और एक अभिनेता के रूप में राजकुमार राव की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करेगी।

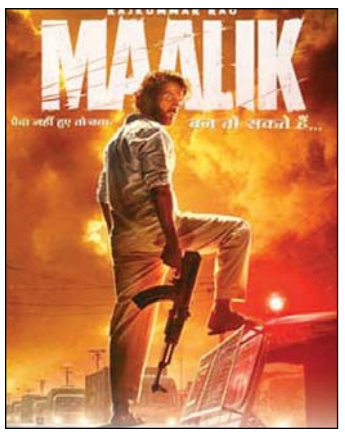

मैं बॉलीवुड की तरह नशे का एड नहीं करता

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में तेलंगाना सरकार से कानूनी नोटिस मिलने के बाद सुर्खियां बटोरीं । नोटिस में उन्हें हैदराबाद में अपने आगामी कॉन्सर्ट के दौरान शराब , ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं बजाने की चेतावनी दी गई थी। अब सिंगर ने इस नोटिस पर मजाकिया अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने कॉन्सर्ट के आसपास के कानूनी मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उन्हें उस दिन कोई नोटिस नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने अपने दर्शकों को आश्वासन दिया कि शराबबंदी कानूनों का सम्मान करते हुए, वह प्रदर्शन के दौरान शराब से संबंधित गाने नहीं गाएंगे। दिलजीत ने चल रहे विवाद को यह स्पष्ट करके भी संबोधित किया कि बॉलीवुड में शराब के बारे में कई गाने हैं, लेकिन उनके कुछ ही ट्रैक इसका संदर्भ देते हैं। उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों पर भी कटाक्ष किया और बताया कि वह शराब का समर्थन या विज्ञापन नहीं करते हैं।

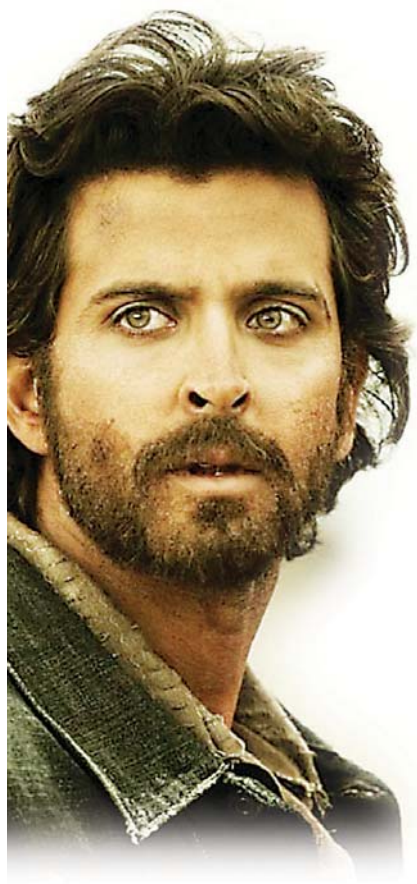

कृष 4 से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन

फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने अपने निर्माता के किरदार पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की है कि वे निर्देशन से रिटायरमेंट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे कृष 4 को प्रोड्यूस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रोडक्शन हाउस से अपने बेटे की फिल्म बनाने वाले हैं।

क्रिश 4 लेकर आ रहे हैं राकेश रोशन

राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि वे कभी निर्देशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही कृष 4 को लेकर घोषणा करेंगे। बता दें कि राकेश रोशन ने ऋतिक रोशन की फिल्म बैंग बैंग, वॉर और फाइटर को भी प्रोड्यूस किया है। उन्होंने कहा, कृष जल्द ही वापस आ रहा है।

क्रिश के पिछले पार्ट को भी पसंद करते हैं प्रशंसक

राकेश रोशन ने 2003 में साइंस-फिक्शन फिल्म कोई मिल गया के साथ इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी। उन्होंने 2006 में कृष के साथ इसे सुपरहीरो सीरीज में विस्तारित किया, इसके बाद 2013 में कृष 3 बनाई। ऋतिक रोशन ने पूरी सीरीज में रोहित और उनके बेटे कृष्णा, जिन्हें कृष के नाम से भी जाना जाता है, दोनों की भूमिका निभाई।

फाइटर बने ऋतिक रोशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन को उनकी हालिया फिल्म फाइटर में देखा जा चुका है। इस फिल्म में उन्हें अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। पिछले साल हुई कृष 4 की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी नोरा फतेही

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने एक बार फिर अपने नवीनतम सहयोग से सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार प्रतिष्ठित रैपर यो यो हनी सिंह के साथ, नोरा उनके आगामी संगीत वीडियो पायल में उनके बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी से अभिनय करेंगी। सोशल मीडिया पर नोरा ने म्यूजिक वीडियो का टीज़र पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। एल्बम ग्लोरी से पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो जिसे यो यो हनी सिंघ द्वारा गाया है एवं फीचर नोरा फतेही है और इसे पाराडोक्स पर कल जारी किया गया। इससे पहले, हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की एक रील साझा की थी, जिसमें खुलासा किया था कि उन्होंने संगीत वीडियो को -3 डिग्री सेल्सियस तापमान में फिल्माया है। नोरा के समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उन्हें महान और बहुत मेहनती बताया। नोरा हर नए प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करना जारी रख रही हैं, एक अभिनेत्री, डांसर और गायिका के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, जिससे एक ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत होती है। अब, जैसा कि टीज़र में देखा गया है, नोरा के शानदार डांस मूव्स दृश्यों को खूबसूरत बना रहे हैं, संगीत वीडियो उत्साह बढ़ाने के लिए तैयार है, जो प्रशंसकों के लिए एक शानदार उपहार होने का वादा करता है। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के साथ नोरा ने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय सनसनी के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है। वह वर्तमान में अपनी पहली तेलुगु फिल्म मटका की शानदार प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। हाल ही में, उन्होंने पेरिस फैशन वीक 2024 में भी ब्रांड के सिग्नेचर डिजाइनों में लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन करते हुए तहलका मचा दिया। अपनी उल्लेखनीय श्रृंखला को जोड़ते हुए, नोरा अंतर्राष्ट्रीय कलाकार जेसन डेरुलो के साथ एक और संगीत वीडियो की रिलीज़ के लिए भी तैयारी कर रही है।

क्या अहसास चन्ना और तारुक रैना डेट कर रहे हैं?

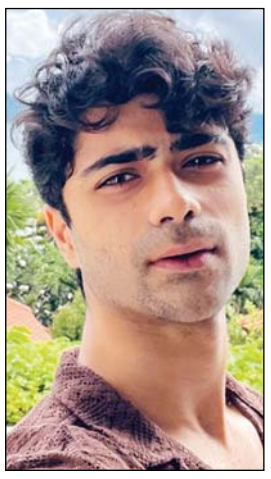

के एक्टर अहसास चन्ना और तारुक रैना, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के दो बेहतरीन स्टार्स हैं, जिनके बारे में अफवाह है कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में, अहसास चन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने को-स्टार तारुक रैना के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में एक ऑरेंज हार्ट बना हुआ है। आप को बता दें मिसमैच्ड के तीसरे सीजन में साथ नज़र आएंगे , लेकिन अहसास चन्ना और तारुक रैना के प्रशंसक खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक पाए। जैसे ही अहसास ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की, उनके प्रशंसक तुरंत ही कमेंट सेक्शन में अपनी विचार शेयर करना शुरू कर दिया । एक कमेंट में लिखा था, सबसे प्यारे, जबकि दूसरे में लिखा था, करो ना ऑफिशियल प्लीज। एक और कमेंट में लिखा था, आप दोनों साथ में कमाल के लग रहे हैं। जहाँ कई यूज़र्स ने दोनों की तारीफ़ की, वहीं कई ने दिल और बुरी नज़र वाले इमोजी बनाए। अहसास चन्ना और तारुक रैना ने खुद को डिजिटल स्पेस में इस्टेब्लिश कर लिया है, और उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उनकी डेटिंग की अफ़वाहें पब्लिक फिगर के रूप में उनके आकर्षण को और बढ़ाती हैं। जहाँ अहसास ने टेलीविज़न और डिजिटल डोमेन में खुद के लिए जगह बनाई है, वहीं तारुक कई वेब शो का हिस्सा रहे हैं। इस बीच, मिसमैच्ड में उनके सहयोग की लोगों के बीच बहुत चर्चा हुई, जिससे वे सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली ऑन-स्क्रीन जोड़ी बन गए। अब, अहसास और तारुक मिसमैच्ड के तीसरे सीज़न के साथ लोगों को खुश करने के लिए तैयार हैं। प्राजक्ता कोली और रोहित सराफ अभिनीत मिसमैच्ड 3 जल्द ही स्ट्रीम होने वाली है।

पांचवीं बार निर्देशन की कमान संभालेंगे अजय देवगन

अजय देवगन और अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन सिनेमाघरों मे लगी हुई है। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम और अक्षय ने वीर सूर्यवंशी की भूमिका निभाई है। कॉप ड्रामा फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन चिंताजनक है। यह अब तक अपना बजट भी नहीं निकाल सकी है। वहीं, अजय और अक्षय एक नई फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार वे सह-कलाकार के रूप में काम नहीं करेंगे। ट्विस्ट यह है कि अजय इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जिसमें अक्षय मुख्य भूमिका में होंगे। एक हालिया मीडिया इवेंट में अजय देवगन ने अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। जब अभिनेता से उनके अगले सहयोग के बारे में पूछा गया, तो अजय ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी हम बाद में घोषणा करने वाले थे लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मंच है। हम पहले से ही एक साथ एक फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हूं और अक्षय इसमें मुख्य कलाकार हैं।

अक्षय कुमार को निर्देशित करेंगे अजय

अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर अजय ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में जल्द ही बात करेंगे। अजय देवगन निर्देशित इस फिल्म के बारे में अधिक जानना दिलचस्प होगा, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन से पहले अजय देवगन और अक्षय कुमार ने सूर्यवंशी, सुहाग और खाकी जैसी फिल्में कीं।

अजय देवगन के निर्देशन में बनीं फिल्में

एक निर्देशक के रूप में यह अजय देवगन की पांचवीं फिल्म होगी। अजय ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत साल 2008 की फिल्म आई यू मी और हम से की। इसमें अभिनेता अपनी रियल लाइफ पत्नी काजोल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में शिवाय फिल्म का निर्देशन किया, जो एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। इस मूवी में भी अजय मुख्य किरदार में दिखाई दिए। 2012 में उन्होंने रनवे 34 के निर्देशक की कमान संभाली। इस फिल्म में अजय और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आएं। अजय की बतौर निर्देशक आखिरी फिल्म साल 2023 की भोला रही, जिसमें उन्हें तब्बू के साथ देखा गया।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है। उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया। काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी। रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

मालिक की शूटिंग पूरी, फिल्म के लिए राजकुमार राव ने किए शारीरिक बदलाव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के पास कतार में कई फिल्में हैं। उन्होंने स्त्री 2 की सफलता का जश्न मनाने के बाद विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय किया। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इस बीच अब राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म मालिक की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी आगामी फिल्म मालिक की शूटिंग पूरी कर ली है। पुलकित द्वारा निर्देशित यह फिल्म राव की पहली पूर्ण एक्शन फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन डायरेक्टर विक्रम दहिया की देखरेख में राजकुमार ने अपनी फिट बॉडी बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म का निर्माण अगस्त के अंत में लखनऊ में शुरू हुआ और इसके बाद पूरे उत्तर प्रदेश में तीन महीने तक इसका निर्माण चला। मालिक की प्रोडक्शन टीम ने लखनऊ, वाराणसी और उन्नाव में शूटिंग की। उन्होंने ब्रह्मावर्त घाट पर भव्य दिवाली उत्सव का दृश्य फिल्माया, जहां हजारों दीये जलाए गए। कानपुर में फिल्म की शूटिंग का आखिरी चरण मुख्य किरदार की शादी के दृश्य के साथ पूरा हुआ। यहीं पर तीन दिन पहले मालिक की शूटिंग खत्म हुई थी।

फिल्म में राजकुमार राव का किरदार

मालिक में राजकुमार राव दो अलग-अलग लुक में नजर आएंगे- एक क्लीन-शेव्ड और दूसरा रफ-टफ, दाढ़ी वाला। उनका किरदार धीरे-धीरे एक बदमाश से गैंगस्टर में बदल जाता है। अभिनेता ने कुछ एक्शन दृश्यों की शूटिंग की है, जिनमें हथियारों के साथ-साथ हाथापाई भी शामिल है। बंगाली सुपरस्टार प्रसेनजीत चटर्जी फिल्म में राव के गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मालिक में राव के साथ मानुषी छिल्लर भी हैं। 2017 में ऐतिहासिक ड्रामा बोस: डेड/अलाइव की सफलता के बाद निर्देशक पुलकित के साथ अभिनेता की यह दूसरी परियोजना है। हालांकि, उनकी पिछली परियोजना एक अलग शैली की थी, लेकिन मालिक एक बड़े पैमाने की कहानी और फिल्म होने का दावा कर रही है और एक अभिनेता के रूप में राजकुमार राव की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करेगी।

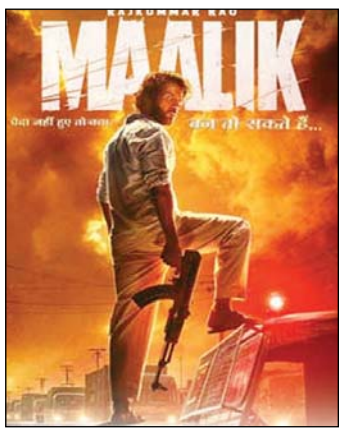

मैं बॉलीवुड की तरह नशे का एड नहीं करता

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में तेलंगाना सरकार से कानूनी नोटिस मिलने के बाद सुर्खियां बटोरीं । नोटिस में उन्हें हैदराबाद में अपने आगामी कॉन्सर्ट के दौरान शराब , ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं बजाने की चेतावनी दी गई थी। अब सिंगर ने इस नोटिस पर मजाकिया अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने कॉन्सर्ट के आसपास के कानूनी मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उन्हें उस दिन कोई नोटिस नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने अपने दर्शकों को आश्वासन दिया कि शराबबंदी कानूनों का सम्मान करते हुए, वह प्रदर्शन के दौरान शराब से संबंधित गाने नहीं गाएंगे। दिलजीत ने चल रहे विवाद को यह स्पष्ट करके भी संबोधित किया कि बॉलीवुड में शराब के बारे में कई गाने हैं, लेकिन उनके कुछ ही ट्रैक इसका संदर्भ देते हैं। उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों पर भी कटाक्ष किया और बताया कि वह शराब का समर्थन या विज्ञापन नहीं करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हमारे नेता कतर छोड़ नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह-हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं। इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही। गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ बनेंगी अमेरिका की शिक्षा मंत्री, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार विभागों का बंटवारा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शिक्षा विभाग का जिम्मा लोकप्रिय डब्ल्यूडब्ल्यूई यानी वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की सीईओ और पेशेवर कुश्ती खिलाड़ी लिंडा मैकमोहन को सौंपा है। इससे पहले वह अरबपति एलन मस्क समेत कई बड़े नामों को सरकार का काम सौंप चुके हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकमोहन को शिक्षा विभाग का मंत्री नामित किया है। हालांकि, इससे पहले भी वह ट्रंप सरकार का हिस्सा रह चुकी हैं। मैकमोहन ने 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लघु व्यवसाय प्रशासन का नेतृत्व किया था। वह कनेक्टिकट में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दो बार चुनाव लड़ीं लेकिन असफल रहीं। मैकमोहन ने 2009 से एक साल तक 'कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' में काम किया और कनेक्टिकट में 'सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी' के 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' में कई साल बिताए। शिक्षा जगत में उन्हें अपेक्षाकृत अज्ञात माना जाता है, हालांकि उन्होंने 'चार्टर स्कूलों' और 'स्कूल चॉइस' के लिए समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिका में 'चार्टर स्कूल' सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल होते हैं जो अपने स्थानीय जिले से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं। 'स्कूल चॉइस' शिक्षा के विकल्पों को दर्शाता है जिसके तहत छात्रों और परिवारों को सार्वजनिक स्कूलों के विकल्प चुनने की अनुमति मिलती है। मैकमोहन ने अमेरिकी सीनेट के चुनाव के लिए 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। उन्हें ट्रंप के लिए बड़ा डोनेशन देने वालों में गिना जाता है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। परमाणु युद्ध का खौफनाक ख़तरा पहले से कहीं ज्यादा नज़दीक नजर आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई।

ब्रिटेन में हजारों किसानों ने ट्रैक्टरों सहित संसद के बाहर किया प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। हजारों ब्रिटिश किसानों ने मंगलवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने एक नए कर नियम के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह नियम पारिवारिक खेती को बर्बाद कर देगा। किसान बैनर, टॉय ट्रैक्टर और नारों के साथ सड़कों पर उतरे। सरकार के फैसले से गुस्साए किसानों का कहना है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। सरकार ने हाल ही में बजट में एक पुराने कर छूट नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। यह नियम कृषि भूमि को इनहेरिटेंस टैक्स से छूट देता था। अप्रैल 2026 से, 10 लाख पाउंड (लगभग 13 करोड़ रूपए) से अधिक मूल्य वाली कृषि भूमि पर मालिक की मृत्यु के बाद इसे अगली पीढ़ी को देने पर 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। किसानों का कहना है कि यह नियम उनके लिए अंतिम झटका साबित होगा। प्रदर्शन के सह-आयोजक ओल्ली हैरिसन ने कहा, हर कोई नाराज है। हम सड़कों को जाम करने और फ्रांस के किसानों जैसे विरोध की तैयारी में हैं। किसानों ने डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ ट्रैक्टरों पर द फाइनल स्ट्रॉ और नो फार्मर्स, नो फूड जैसे नारों के पोस्टर लगे हुए थे। बच्चों ने छोटे ट्रैक्टरों के साथ संसद स्क्वायर के आसपास मार्च निकाला। मशहूर टीवी होस्ट और किसान जेरेमी क्लार्कसन भी इस रैली में शामिल हुए। 1,800 किसानों को नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) ने संसद के अंदर जाकर सांसदों से बात करने का मौका दिया। एनएफयू के अध्यक्ष टॉम ब्रैडशॉ ने कहा, यह नीति ब्रिटेन की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। किसानों का कहना है कि ब्रेक्सिट, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक अस्थिरता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। अब यह नया कर नियम उनके लिए असहनीय है। किसानों की औसत आय पहले से ही कम हो गई है। उदाहरण के लिए, मवेशी पालने वाले किसानों की औसत आय केवल 17,000 पाउंड (21 लाख रूपए) है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि 75 प्रतिशत किसानों पर यह कर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कई छूट के कारण किसान दंपति अपनी संपत्ति का 30 लाख पाउंड (39 करोड़ रूपए) तक टैक्स-मुक्त हस्तांतरण कर सकते हैं। पर्यावरण मंत्री स्टीव रीड ने कहा, यह कर उन अमीर लोगों से वसूला जाएगा जिन्होंने निवेश के लिए कृषि भूमि खरीदी है। इससे युवा किसानों के लिए जमीन खरीदना महंगा हो गया है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि का कागजी मूल्य अधिक हो सकता है, लेकिन उनकी वास्तविक आय बहुत कम होती है। अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया।

रूस के भीतर लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल के विरोध में स्लोवाकिया, पीएम फिको ने की अमेरिकी फैसले की आलोचना

ब्राटिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों के इस्तेमाल करने का विरोध किया है। यह जानकारी स्लोवाकिया गणराज्य की समाचार एजेंसी (टीएएसआर) ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि यूक्रेन संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रशासनिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत बाइडेन ने कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। एसोसिएटेड प्रेस, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट सहित अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस हरी झंडी से यूक्रेनी सेना को अमेरिका निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों को पहली बार उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी। टीएएसआर की रिपोर्ट के अनुसार, फिको ने देश के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर और रक्षा मंत्री रॉबर्ट कालिनाक को इस कदम का समर्थन न करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालय ने फिको के हवाले से कहा, यह तनाव में अभूतपूर्व वृद्धि है। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की कथित तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं।

रूस ने भारत-चीन संबंधों के लिए समर्थन दोहराया, कहा- हर संभव तरीके से योगदान करने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। पेसकोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना बनाई जा रही है, फिलहाल तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेसकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे। बेशक, प्रधान मंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह यात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मास्को की प्रतिबद्धता दोहराई। पेसकोव ने कहा कि हम दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं। एएनआई से बात करते हुए, पेसकोव ने रूस के तटस्थ रुख पर जोर दिया और रूस के कज़ान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक मेजबान के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। हमें खुशी है कि दोनों नेताओं को कज़ान में अपनी द्विपक्षीय बैठक करने का अवसर मिला। यह दुनिया में हर किसी के लिए वास्तव में अच्छी खबर थी। लेकिन फिर, यह भारत और चीन की एक द्विपक्षीय पहल थी।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए

हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा

करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने जैव ईंधन, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की। रियो शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष के जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता है, जहां विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक में ब्राजील के मंत्री माउरो विएरा (विदेश मामले), फर्नांडो हद्दाद (वित्त), एलेक्जेंडर सिल्वेरा (खान और ऊर्जा), लुसियाना सैंटोस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), साथ ही विकास, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के कार्यकारी सचिव मार्सिओ एलियास रोजा ने भी भाग लिया।

पोलियो के खिलाफ पाकिस्तान की लंबी लड़ाई का अंत नहीं, सक्रिय मामले 50 तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पोलियो को जड़ से मिटाने के लिए पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों से नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में सक्रिय पोलियो मामलों की कुल संख्या 50 तक पहुंच गई। अब तक बलूचिस्तान से कम से कम 24 मामले, सिंध से 13, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से 11, पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं। मंगलवार को एक बच्ची में वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) पाया गया, जो केपी के टैंक जिले से पोलियो वायरस का दूसरा मामला है।

पाकिस्तान के कुछ क्षेत्रों में पोलियो टीकाकरण अभियान का विरोध भी हो रहा है और यहां तक ??कि स्वास्थ्य कर्मियों पर भी हमला हुआ है जिसमें लोगों की जान भी गई। टारगेटेड अटैक के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखने के कारण, पोलियो टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाना लगभग असंभव हो गया है, जिससे बच्चों के संक्रमित होने की संभावना बढ़ गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के विभिन्न भागों में पोलियो के मामलों में उत्साहजनक गिरावट देखी गई है। हालांकि उसने चेतावनी दी है कि नवीनतम मामलों का पता चलना एक खतरनाक और चिंताजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि कई जिलों में बच्चे अभी भी जोखिम में हैं। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान, दुनिया के दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। अतीत में, पाकिस्तान ने सालाना 300 मिलियन से अधिक ओरल वैक्सीन लगाए हैं। लेकिन यह बीमारी देश में अभी भी व्याप्त है।

कई विश्लेषकों ने पोलियो वायरस के प्रसार को संभालने में पाकिस्तान सरकार की निरंतर नाकामी पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रति विरोध तब बढ़ा जब अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए ने देश में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का पता लगाने के लिए एक फर्जी हेपेटाइटिस टीकाकरण अभियान चलाया।

दुनिया के सबसे वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक, बिन लादेन को 2011 में केपी के एबटाबाद में यूएस नेवी सील के ऑपरेशन में मार दिया गया। कई धार्मिक नेताओं का यह भी मानना ??है कि पोलियो टीकाकरण की बूंदों में सूअर का मांस और शराब के अंश होते हैं, जो इस्लाम में निषिद्ध है।

पाकिस्तान की अदालत ने दंगों को लेकर पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर तय किए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और 20 अन्य लोगों के खिलाफ नौ मई 2023 के दंगों के संबंध में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने सोमवार को कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान तय किए गए आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ये मामले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेतृत्व को दबाने के लिए गढ़े गए हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं पर आरोप तय किए गए हैं उनमें पीटीआई की पंजाब इकाई के अध्यक्ष यास्मीन रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद, पूर्व सांसद आलिया हमजा, रूबीना जमील तथा सोशल मीडिया कार्यकर्ता सनम जावेद शामिल हैं। सुनवाई की अध्यक्षता आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मंज़र अली खान ने की। एक विशेष अभियोजक ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें थाने पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को आग लगाने और कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार जैसे आरोप शामिल थे। अदालत के अधिकारी के मुताबिक, सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास अपने दावों को पुष्ट करने के लिए सबूतों का अभाव है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 25

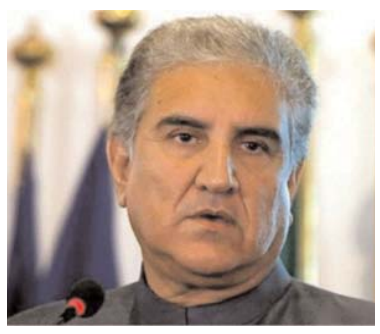

नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

नौ मई 2023 को खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। पत्रकारों से बात करते हुए कुरैशी ने खान के प्रति अपनी निष्ठा जतायी। खान अगस्त 2023 से 200 से अधिक मामलों को लेकर जेल में बंद हैं। कुरैशी ने इन मामलों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इन्हें पीटीआई नेतृत्व को दबाने और उन्हें अवैध रूप से जेल में रखने के लिए गढ़े गए हैं। कुरैशी ने पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह रैली राजनीतिक कैदियों की आजादी, स्वतंत्र न्यायपालिका की बहाली और इमरान खान की रिहाई के लिए है।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं : तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फलों पर रिहा करने का आग्रह किया गया है।

आतंकी घुसपैठ का मामला : जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह जम्मू के कई इलाकों में बड़ी छापेमारी की। यह छापे एक नए दर्ज मामले से संबंधित हैं, जिसमें पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ का आरोप लगाया गया है। पिछले दिनों घाटी में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षबालों का एक्शन भी तेज हो चुका है। एनआईए की इस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से एनआईए के अधिकारी कई स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। इससे पहले, एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

मणिपुर में हिंसा रोकने आठ कंपनियां पहुंची, संवेदनशील इलाकों में होंगी तैनाती

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 कंपनियां इंफाल पहुंच गई हैं। जिन्हें संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सीएपीएफ की 11 कंपनियों का एक और जत्था इंफाल पहुंचा। अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चार-चार कंपनियां राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात की जाएंगी। सीआरपीएफ की कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र ने घोषणा की है कि मणिपुर में सीएपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य में हिंसा बढ़ गई है और पिछले सप्ताह पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और बीजेपी कार्यालयों में तोड़फोड़ भी की गई थी। सुरक्षा बलों ने विगत दिवस मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक निवास पर हमला करने की आंदोलनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया था। हिंसा तब और भड़क गई जब 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम जिले में एक राहत शिविर से मेइती समुदाय की तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए। इस मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए थे। पिछले कुछ दिनों में इन छह लापता लोगों के शव बरामद किए गए हैं। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी स्थित मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

नतीजा कुछ भी आए.... शरद पवार गुट के नेता ने निकाला विजय जुलूस

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को आने हैं। इसके पहले पूरे प्रदेश में प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हैं। एग्जिट पोल्स में टाइट फाइट दिखाने से टेंशन और बढ़ गई है। इस बीच शरद पवार की एनसीपी के प्रत्याशी ने नतीजों से पहले ही विजय जुलूस निकाल लिया है। इसके अलावा इलाके में उनकी जीत को लेकर समर्थकों ने पोस्टर भी लगा दिए हैं। यह मामला पुणे की खडकवासला सीट का है। यहां से एनसीपी-एसपी के प्रत्याशी सचिन डोडके ने पहले ही जुलूस निकाल लिया है। डोडके का मुकाबला खडकवासला सीट पर भाजपा के भीमराव तापकिर और मनसे के मयूरेश वंजाले से था। भाजपा के भीमराव पहले से विधायक हैं और भाजपा ने फिर से उन्हें भरोसा जताकर टिकट दिया था। 2019 के चुनाव में भी डोडके मुकाबले में उतरे थे, लेकिन महज 2500 वोटों के अंतर से हार गए थे। इस चुनाव में मनसे ने अपने पूर्व विधायक रमेश वंजाले के बेटे मयूरेश को चुनाव में उतारा था। इससे साफ था कि फाइट टाइट है। फिलहाल साफ नहीं है कि नतीजा क्या रहेगा और 23 तारीख का इंतजार है। फिर भी डोडके इतने आत्मविश्वास में हैं कि पहले ही जुलूस निकाल लिया। उनकी जीत के पोस्टर भी इलाके में लग चुके हैं। रैली निकाली गई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे पहले 2019 में भी सचिन डोडके के समर्थकों ने नतीजों से पहले ही उनकी जीत की बधाई वाले पोस्टर लगा दिए थे। हालांकि नतीजा आया तब वह ढाई हजार वोटों के मामूली अंतर से परास्त हो गए।

दिल्ली में केजरीवाल के शीशमहल के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा

कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा एक छात्र पर अपना आपा खो बैठे, जब छात्र ने टिप्पणी की कि वह (मंत्री) कन्नड़ ठीक से नहीं बोलता है। यह घटना सरकारी प्री-डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए राज्य की मुफ्त ऑनलाइन एनईईटी और सीईटी कोचिंग के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक अनदेखे छात्र ने लाइव बातचीत के दौरान उल्लेख किया कि मंत्री ठीक से कन्नड़ नहीं बोलते हैं। बयान पर भड़कते हुए, कर्नाटक के शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से यह पता लगाने की मांग की कि वास्तव में किसने ऐसी टिप्पणी की थी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद राज्य मंत्री को प्रधान सचिव रितेश कुमार को किसी भी कीमत पर मामला नहीं छोड़ने का निर्देश देते हुए भी देखा जा सकता है।

सुप्रिया और नाना पटोले के ओडियों क्लीप एआई जनरेटेड...जांच में वॉयस नोट्स फर्जी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग से ठीक पहले 19 नवंबर की रात 11 बजे के करीब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने आधिकारिक एक्स पर चार ऑडियो क्लिप पोस्ट किए। इन क्लिप की पड़ताल करने पर पता चला कि ये चार में से तीन ऑडियो क्लिप एआई जनरेटेड थे। इसके साथ बीजेपी ने दावा किया कि ये विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं, सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार), नाना पटोले (कांग्रेस), आईपीएस अधिकारी अमिताभ गुप्ता और एक ऑडिट फर्म के कर्मचारी गौरव मेहता के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग हैं।

बीजेपी ने आरोप लगाया कि ये ऑडियो रिकॉर्डिंग विपक्षी नेताओं सुप्रिया सुले और नाना पटोले ने 2018 के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले से बिटकॉइन का दुरुपयोग कर राज्य में चुनावों के लिए फंड जुटाने के सबूत हैं। इसके अलावा, ऑडियो क्लिप में शामिल अन्य दो व्यक्ति की आवाजों को लेकर बीजेपी का दावा है कि ये अमिताभ गुप्ता, जो कि फिलहाल भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिरीक्षक हैं और गौरव मेहता की आवाजें हैं। गौरव एक ऑडिट फर्म, सारथी एसोसिएट्स के कर्मचारी हैं।

पुणे के पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने आरोप लगाया कि सुप्रिया, पटोले, आईपीएस गुप्ता (तत्कालीन पुणे पुलिस आयुक्त), ऑडिट फर्म के कर्मचारी मेहता और आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके बिटकॉइन की हेराफेरी में शामिल थे। बताया जाता हैं कि पाटिल ने दावा किया कि उन्हें नामित लोगों के बीच बातचीत के वॉयस नोट भेजे गए थे। इसके बाद बीजेपी ने एक्स पर इन आरोपों से जोड़कर ये चार कथित वॉयस नोट पोस्ट किए।

इस फर्जी रिकॉर्डिंग में, सुप्रिया और नाना पटोले की आवाजें सुनी जा सकती हैं, जो चार क्रिप्टो वॉलेट्स में संग्रहीत बिटकॉइन के बदले में नकद मांग रहे हैं और मामले की कोई जांच नहीं करने का वादा भी कर रहे हैं। जांच पड़ताल के दौरान पाया कि बीजेपी की ओर से पोस्ट किए गए वॉयस नोट्स फर्जी हैं। इन्हें जनरेटिव एआई तकनीक की मदद से बनाया गया है। इस दौरान हमें चार में से तीन ऑडियो क्लिप के एआई जनरेटेड होने के पर्याप्त सबूत मिले। इन वॉयस नोट्स में से एक महज पांच सेकंड का था, जिसके चलते इसका रिजल्ट अनिर्णायक था, जो संभवतः इसकी छोटी आवधि के कारण था।

महाराष्ट्र चुनाव के बीच वायरल ऑडियो से गरमाई सियासत

महाराष्ट्र में बुधवार (20 नवंबर) को वोटिंग संपन्न हो गई। अब 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी, इसके साथ ही नतीजे सामने आएंगे। वर्तमान में, राज्य का नेतृत्व महायुती गठबंधन कर रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल है। विपक्ष में महाविकास अघाड़ी है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बीच गठबंधन है।

बार-बार मारने की धमकी ना दे, हम डरते नहीं हैं.... सांसद पप्पू यादव ने ऐसा क्यों कहा

कटिहार । सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वे ना पाकिस्तान के, ना मलेशिया के और ना ही नेपाल के क्रिमिनल से डरते हैं। बार-बार मारने की धमकी ना दे, जब मन हो आ जाए, हम आम आदमी की तरह रहते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। धमकी देने वालों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आ रहा है। पप्पू ने बताया कि उन्हें फोन कॉल और मोबाइल एसएमएस के जरिए धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मरवाना है तब मरवाएं, लेकिन परिवार की बात नहीं करें। उन्होंने कहा कि 27 तारीख से संसद सत्र शुरू हो रहा है पूर्णिया सांसद यादव ने कहा कि धमकियों को लेकर नीतिश सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कौन लोग हैं ये सामने आना चाहिए।

बिना व्यवस्था में बैठे लोगों की सहमति से यह सब होना संभव नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से पप्पू यादव को लगातार धमकियां मिल रही हैं। बताया जा रहा बिश्नोई गैंग के गुर्गे पप्पू यादव को धमकी दे रहे हैं। 18 नवंबर को पप्पू को पाकिस्तान के नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था। धमकी देकर शख्स ने कहा था कि अगर पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई से माफी नहीं मांगी, तब 24 दिसंबर से पहले जान से मार दिया जाएगा।

आप में सब कुछ ठीक नहीं, आगामी चुनाव में केजरीवाल के सामने होंगी कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) नेता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की स्थिति इस बार चुनौतीपूर्ण हो सकती है। चुनाव के मद्देनजर कुछ बड़े नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है, जिनमें प्रमुख नाम कुमार विश्वास, कपिल मिश्रा और आशुतोष जैसे नेता शामिल हैं। इसके अलावा, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे प्रमुख नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों से केजरीवाल की छवि को नुकसान हो सकता है।

अभी कुछ दिन पहले ही आप पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश गहलोत और राज कुमार चौहान ने भी पार्टी दी है, जबकि स्वाति मालीवाल के साथ केजरीवाल का विवाद तूल पकड़ सकता है। स्वाति ने केजरीवाल से कई बार सुलह करने के संकेत दिए, लेकिन केजरीवाल ने इसमें हस्तक्षेप किया। इस कारण से पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ सकता है। पार्टी में आतिशी को अस्थायी सीएम बनाने का फैसला भी विपक्ष के लिए एक मुद्दा बन सकता है। हालांकि केजरीवाल ने इसे मास्टरस्ट्रोक माना था, लेकिन पार्टी के अंदर ही इसके असर को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस चुनावी दौर में केजरीवाल ने सभी 70 सीटों पर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए खुद को प्रमुख चेहरा बनाने का फैसला किया है। यह रणनीति बीजेपी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे को प्रमुख बनाकर किए गए प्रयोग जैसा हो सकता है, जो बीजेपी के लिए सफल रहा है, लेकिन आप पार्टी के लिए यह उतना कारगर साबित नहीं हो सकता। इन तमाम आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के बीच केजरीवाल के लिए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करना आसान नहीं दिखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे

- नई दिल्ली के भारत मंडपम् में 25 से 30 नवंबर के दौरान होगा कार्यक्रम

- कार्यक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका भी मौजूद रहेंगे

- आईसीए ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के बाद 'रोशडेल पायनियर्स अवार्ड्स' प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली/इन्दौर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। इसकी घोषणा सहकारी संस्था इफको, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालयऔर अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

वैश्विक सहकारी आंदोलन के लिए प्रमुख निकाय, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफको की पहल परआईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन की मेजबानी भारत द्वारा की जाएगी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 25 नवंबर 2024 को दोपहर 3 बजे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। वे मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने बताया कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री महामहिम मनोआ कामिकामिका भी सम्मानित अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 30 नवंबर 2024 तक भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का विषय होगा 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' और उप-विषय होंगे -

* सक्षम नीति और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र
* सभी के लिए समृद्धि बनाने को उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व का पोषण
* सहकारी पहचान की पुष्टि
*भविष्य को आकार देना -21वीं सदी में सभी के लिए समृद्धि का एहसास करना।

सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि इस आयोजन का विषय 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' भारत सरकार के नारे 'सहकार से समृद्धि' के अनुरूप है, जिसका सही अर्थ है 'सहकारिता के माध्यम से समृद्धि'। अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन और अमित शाह के पहले केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के साथ भारतीय सहकारी क्षेत्र ने सहकारी आंदोलन के विकास और वृद्धि के लिए 54 बड़ी पहलों को शुरू करके राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में अधिक योगदान प्राप्त करते हुए नई उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे वह पैक्स का कंप्यूटरीकरण हो या उन क्षेत्रों में तीन नई बहुराज्यीय सहकारी समितियों का गठन, जहां सहकारी समितियों की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति नहीं थी, इन सभी कदमों ने भारत को वैश्विक सहकारी आंदोलन में सबसे आगे रखा है और भारत सबसे तेजी से बढ़ते सहकारी क्षेत्रों में से एक बन गया है। इस कार्यक्रम में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2025 भी प्रदान किया जाएगा, जो सहकारी समितियों के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है।

सहकारी संस्था इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा, इस सम्मेलन का विषय सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है है। हमारा दीर्घकालिक उद्देश्य एक ऐसा सहकारी आंदोलन बनाना है जो समृद्ध और सुरक्षित हो। विचारों के आकर्षक आदान-प्रदान के लिए अपने घर में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मेजबानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

इफको ने हमेशा भारतीय किसानों के हितों को अपने दिल में रखा है। यही वजह है कि इस सम्मेलन का उपयोग भारतीय गांव की थीम पर स्थापित हाट में भारतीय सहकारी समितियों के उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) दुनिया भर में सहकारी समितियों की आवाज है। यह एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संघ है जिसकी स्थापना वर्ष 1895 में सहकारी सामाजिक उद्यम मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी।

बिहार के आश्रय गृह में मौत का मामला, एनएचआरसी ने नीतीश सरकार को जारी किया नोटिस

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में एक आश्रय गृह में खाद्य विषाक्तता की घटना की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्वत-संज्ञान शुरू किया है। 7-11 नवंबर, 2024 के बीच हुई इस घटना ने मानसिक स्वास्थ्य और बेघर महिलाओं की सुविधा में 13 महिला कैदियों को प्रभावित किया। दुखद रूप से, तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि अन्य में रात का खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण विकसित हुए।

प्रभावित लोगों को जल्द ही इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। घटना के मद्देनजर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित आवास अब कथित तौर पर जांच के दायरे में है। एनएचआरसी ने इस मामले से उजागर हुए संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि, कानूनी संरक्षक के रूप में, शरण अधिकारी अपनी देखभाल के तहत कैदियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं। परिषद ने इस घटना को एक गंभीर मामला बताया जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के मद्देनजर एनएचआरसी ने बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है. ÷रिपोर्ट में पीड़ितों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है या नहीं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए उपाय शामिल होने चाहिए।÷ 14 नवंबर, 2024 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आश्रय गृह के निरीक्षण से पता चला कि कैदी अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे थे। इसके अलावा, सुविधा में भोजन तैयार करने की प्रक्रिया उचित स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में अपर्याप्त पाई गई, जिसने भोजन विषाक्तता में योगदान दिया हो सकता है।

उमर अब्दुल्ला ने किया पूंछ का दौरा, कहा- 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डाक बंगले में पुंछ में विकास परियोजनाओं पर 21 सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए आज हम पुंछ आए थे। जम्मू में ये पहला जिला है जहां हमने विकास के हवाले से अधिकारियों की बात सुनी है। यहां लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अफसरों से बातचीत हुई, कुछ मुद्दों के लिए वहीं उन्हें जवाबदेह बनाया गया। हमारा फर्ज है कि हम लोगों के साथ तालमेल बनाए रखें। आज लगभग 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला और यहां जो भी कमियां हैं उसके लिए हिदायत दी गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने चट्ठा स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जम्मू के प्रति चिंता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने दरबार मूव के महत्व पर भी जोर दिया और उसे एक ऐसी परंपरा बताया जो दोनों क्षेत्रों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देती थी। इसके तहत सरकार श्रीनगर और जम्मू से छह-छह महीने तक काम करती थी।

प्रदूषण का कहर: यूपी, हरियाणा, राजस्थान में सैकड़ों स्कूलों में छुट्टी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा अब मानव निर्मित आपदा(प्रदूषण) ने कहर बरपाना शुरु कर दिया है। यूपी, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। दिल्ली के स्कूल और यूनिवर्सिटी बंद कर दिए गए। यहां पर 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी। इसी तरह यूपी के 6 जिलों में भी वायु प्रदूषण के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि जिलों के 12वीं तक के स्कूल पहले ही बंद करने के आदेश दिए गए थे। अब वायु प्रदूषण के कारण उत्तर प्रदेश के हापुड़, बुलंदशहर, बागपत आदि जिलों के भी स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। यहां भी प्रशासन ने एहतियातन इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेज आगामी आदेश तक बंद रखने को कहा है।

उत्तर प्रदेश के इन जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) काफी बढ़ गया है। गाजियाबाद में एक्यूआई 367, मेरठ का 248, बुलंदशहर का 322, और बागपत का 187 है, जबकि सबसे अधिक एक्यूआई हापुड़ का है। यहां यह इंडेक्स 519 तक पहुंच गया है, जिसके कारण यहां के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि जिलों के स्कूल तो पहले ही बंद रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके अलावा भी कई जिलों में स्कूलों को बंद रखने के आदेश हैं। हरियाणा के रेवाड़ी के जिलाधिकारी अभिषेक मीणा ने प्रदूषण के कारण 12वीं तक की कक्षाएं न लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 23 नवंबर तक बंद रहेंगे। भिवानी जिले के डीसी महाबीर कौशिक ने 12वीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यहां पर आगामी आदेशों तक स्कूल बंद रहेंगे और ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाएंगी। चरखी दादरी जिले के स्कूलों को भी बढ़ते प्रदूषण के कारण 23 नवंबर तक बंद रखने के निर्देश हैं। जिलाधीश मुनीष शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान में पहली बार प्रदूषण के कारण स्कूल बंद रखा गया है। यहां के खैरथल जिले के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां के कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के अवकाश की घोषणा की है। यह आदेश पांचवीं तक के स्कूलों के लिए जारी किया गया है, जो आगामी आदेश तक लागू रहेगा। राजस्थान के भी कई जिलों का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान के लगभग 25 जिलों का एक्यूआई लेवल मंगलवार को औसतन 200 है।